संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 205
पृष्ठ 8
बुधवार
15 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- स्वीट कॉर्न डाल कर बनाएं सूजी...

विचार- नेहरू से मनमोहन सिंह तक एक...

खेल- क्या है गंदी बात फेम अभिनेत्री और चहल...

दिल्ली से दून ढाई घंटे, पीएम बोले-

देश विकास की भाग्य रेखाएं बना रहा, मोदी की गारंटी

देहरादून,संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे को समृद्धि की गारंटी करार देते हुए मंगलवार को कहा कि इससे उत्तराखंड में बारहमासी पर्यटन को गति मिलने के साथ ही राज्य के विकास को नये आयाम मिलेंगे। मोदी ने उत्तराखंड आने वाले सभी पर्यटकों से देव भूमि में पर्यटन में स्वच्छता को बढ़ावा देने का आह्वान किया और कहा कि हरिद्वार में होने वाले कुंभ से लेकर उत्तराखंड में बारहमासी पर्यटन के दौरान स्वच्छता को बढ़ावा मिलना चाहिए और इसमें स्वच्छता को विशेष महत्व दिया जाना आवश्यक है। इसके साथ ही उंन्होंने देश के सभी दलों और उनके सांसदों से नारी वन्दन विधेयक को 16 अप्रैल से शुरू हो रहे तीन दिवसीय संसद की बैठक में पारित कराने का भी आग्रह किया और कहा कि इससे देश में नारी शक्ति को बल मिलेगा और 2029 से महिलाओं को सांसद तथा विधानसभाओं में उनका हक जनप्रतिनिधित्व के तहत मिल सकेगा। मोदी ने आज यहां दिल्ली देहरादून आर्थिक गलियारे के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 213 किलो मीटर लंबे छह लेन के दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे आर्थिक गलियारे के निर्माण में 12000 करोड रुपए का खर्च आया है और इससे उत्तराखंड में विकास के नये आयाम स्थापित किया जा सकेंगे। इस आर्थिक गलियारे के निर्माण से अब दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी 2.5 घंटे में पूरी की जा सकेगी। उनका कहना था कि इस निर्माण कार्य में वन्य जीव संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया है और उनकी आवाजाही में विकास की कार्यों को बाधक नहीं बनने पट बल दिया गया है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें याद है कि जब वह बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए आये थे उस दौरान उनके मुंह से अनायास निकला था कि इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा और आज यह युवा राज्य 25 साल का हो चुका है और यहां सचमुच विकास को नयी गति दी जा रही है। उत्तराखंड के विकास की इस रफ्तार में दिल्ली देहरादून आर्थिक गलियारा विकास के नये आयाम जोड़ेगा और पर्यटन के लिहाज से यह परियोजना बहुत अहम होगी। उन्होंने कहा कि बीते दशक में उनकी सरकार ने विकास के नए आयाम स्थापित किये। उत्तराखंड में तेजी से विकास हो रहा है और राज्य में सवा दो लाख करोड रुपए की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। जिन गांवों में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां गुजर जाती थी वहां अब सरकार तत्काल काम कर रही है और जो गांव पहले विकास के अभाव में वीरान पड़े रहते थे वहां अब चहल पहल हो रही है। उन्होंने सड़कों को विकास की रेखाएं करार दिया और कहा कि सड़कें इस क्षेत्र के विकास के लिए भाग्य रेखा बनकर उभर रही है। उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली में विकास की नयी रेखाएं खींची जा रही है और अब देहरादून एक्सप्रेसवे शुरू होने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में कई नए इकोनॉमिक कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं जिनमें दिल्ली मुंबई अमृतसर जैसे कई करोड़ का निर्माण कार्य चल रहा है। यह इकोनामिक कॉरिडोर सड़क के अलावा नए–नए व्यापारिक और कारोबारिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। देहरादून दिल्ली इकोनामिक कॉरिडोर से इस पूरे क्षेत्र का कायाकल्प होने जा रहा है। इसका पहला फायदा है इससे सफर जा समय बचेगा और लोग समय पर अपने गंतव्य पर पहुंच सकेंगे, किराया भाड़ा कम होगा, पेट्रोल का खर्च घटेगा और दूसरा फायदा रोजगार का होगा।उनका कहना था कि इसके निर्माण में 12000 करोड रुपए का खर्च जरूर हुआ है लेकिन इससे हजारों लोगों को रोजगार मिला है म, किसान और पशुपालकों को भी इससे लाभ हुआ है। उत्तराखंड में पर्यटन के विकास के लिए यह प्रमुख मार्ग बनेगा और देहरादून हरिद्वार ऋषिकेश मसूरी और चार धाम यात्रा को इसका लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के विकास के लिए बारहमासी पर्यटन व्यवस्था को जरूरी बताया और कहा कि इसके लिए चार धाम परियोजना शुरू की गई है।

राष्ट्रपति मुर्मू की अपील

जाति से ऊपर उठें, अमीर-गरीब की खाई मिटे, तभी बनेगा समरस भारत

अहमदाबाद,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को लोगों से जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को अब अमीर और गरीब के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर गुजरात के गांधीनगर में सामाजिक समरसता महोत्सव को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जाति व्यवस्था अतीत की बात है और लोगों को अब एक समाज के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा शजिन्होंने जाति व्यवस्था बनाई, वे अब नहीं रहे। हमें मिलकर आगे बढ़ना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना चाहिए। एक तरह से, अब केवल दो ही जातियां हैं – हैव्स (अमीर) और हैव–नॉट्स (गरीब)। उन्होंने पिछड़ों के उत्थान की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे। राष्ट्रपति ने एकता का आह्वान करते हुए कहा किसी को भी केवल अपने हित के बारे में नहीं सोचना चाहिए। हम सब एक हैं। हम भाई–बहन हैं। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि देश की परंपराएं करुणा, समानता, आपसी कल्याण और सद्भाव में निहित हैं। उन्होंने कहा, सभी विभाजनों से ऊपर उठकर और बिना किसी भेदभाव के एकजुट खड़े रहना सामाजिक सद्भाव की सच्ची अभिव्यक्ति है। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के विकास और सामाजिक ताने–बाने में गांव केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा राष्ट्र की आत्मा उसके गांवों में बसती है। एक सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण का मार्ग गांवों से होकर गुजरता है। विविधता के बावजूद, गांवों में लोगों के बीच स्नेह, गर्मजोशी और आपसी समझ है और यह भारतीय संस्कृति की सच्ची भावना को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यदि गांव समृद्ध होंगे, तो देश समृद्ध होगा। डॉ. बी.आर. अंबेडकर का स्मरण करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उनका सद्भाव का संदेश स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित था।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर हमला, बोले-

मित्रों पर नहीं, मजदूरों पर महंगाई की मार

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कारखाना श्रमिकों का समर्थन किया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि सोमवार को नोएडा में जो हुआ वह देश के श्रमिकों की अंतिम पुकार थी। नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। प्रदर्शन के कुछ हिस्सों में हिंसा भड़की और आगजनी व तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं, जिसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाया। राहुल ने श्रमिकों की मांग का समर्थन करते हुए ट्विटर पर एक लंबा पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने मोदी सरकार द्वारा उनकी मांगों को नजरअंदाज करने की कड़ी आलोचना की। राहुल ने लिखा कि कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वो इस देश के श्रमिकों की आखिरी चीख थी – जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते–मांगते थक गया। नोएडा में काम करने वाले एक मजदूर की 12,000 महीने की तनख्वाह,4,000–7,000 किराया। जब तक 300 की सालाना बढ़ोतरी मिलती है, मकान मालिक 500 सालाना किराया बढ़ा देता है। तनख्वाह बढ़ने तक ये बेलगाम महंगाई जिंदगी का गला घोंट देती है, कर्ज की गहराई में डुबा देती है – यही है विकसित भारत का सच। एक महिला मजदूर ने कहा गैस के दाम बढ़ते हैं, पर हमारी तनख्वाह नहीं।" इन लोगों ने शायद इस गैस संकट के दौरान अपने घर का चूल्हा जलाने के लिए 5000 का भी सिलेंडर खरीदा होगा। यह सिर्फ नोएडा की बात नहीं है। और यह सिर्फ भारत की भी बात नहीं है। दुनियाभर में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं – पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से सप्लाई चेन टूट गई है। मगर, अमेरिका के टैरिफ वॉर, वैश्विक महंगाई, टूटती सप्लाई चेन – इसका बोझ डवकप जी के "मित्र" उद्योगपतियों पर नहीं पड़ा। इसकी सबसे बड़ी मार पड़ी है उस मजदूर पर जो दिहाड़ी कमाता है, तभी रोज खाता है। वो मजदूर, जो किसी युद्ध का हिस्सा नहीं, जिसने कोई नीति नहीं बनाई – जिसने बस काम किया। चुपचाप। बिना शिकायत। और उसके बदले अपना हक मांगने पर उन्हें मिलता क्या है? दबाव और अत्याचार। एक और जरूरी मुद्दा – मोदी सरकार ने 4 लेबर कोड जल्दबाजी में बिना संवाद नवंबर, 2025 से लागू कर, काम का समय 12 घंटे तक बढ़ा दिया। जो मजदूर हर रोज 12–12 घंटे खड़े होकर काम करता है फिर भी बच्चों की स्कूल फीस कर्ज लेकर भरता है – क्या उसकी मांग गैरवाजिब है? और जो उसका हक हर रोज मार रहा है – वो "विकास" कर रहा है? नोएडा का मजदूर 20,000 माँग रहा है।

मुख्यमंत्री योगी बोले-

पश्चिम यूपी के लिए गेमचेंजर होगा दिल्ली-बागपत- सहारनपुर-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर

लखनऊ/सहारनपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली–बागपत–सहारनपुर–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर बताते हुए कहा कि अब सहारनपुर से दिल्ली व देहरादून की दूरी काफी कम समय में पूरी की जा सकेगी। सीएम ने कॉरिडोर के लोकार्पण को प्रदेश के विकास का ऐतिहासिक क्षण बताते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर न केवल आवागमन को सुगम बनाएगा, बल्कि सहारनपुर के वुडवर्क, मेरठ के स्पोर्ट्स गुड्स और क्षेत्रीय किसानों के उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी से होते हुए वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। यह परियोजना क्षेत्र में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करते हुए 'डबल इंजन' सरकार की विकास दृष्टि को साकार करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के कर–कमलों से दिल्ली– बागपत–सहारनपुर–देहरादून कॉरिडोर का लोकार्पण होना प्रदेश के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस परियोजना से लाभान्वित होने वाले सभी जनपदवासियों को बधाई देते हुए पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया तथा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व एनएचएआई के अधिकारियों को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के बन जाने से सहारनपुर से दिल्ली व देहरादून तक का सफर तेजी से पूरा किया जा सकेगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कॉरिडोर के माध्यम से सहारनपुर के वुडवर्क समेत शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ व बागपत में बनने वाले विभिन्न उत्पादों को नया प्रोत्साहन मिलेगा। जैसे मेरठ स्पोर्ट्स गुड्स निर्माण का केंद्र है, यह क्षेत्र मेहनती अन्नदाता किसानों का है। सरकार इस क्षेत्र में गन्ना, फल–सब्जी व विभिन्न खाद्यान्न उत्पादन को आगे बढ़ा रही है। अब इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में इन सभी उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी के जरिए वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने का एक उत्कृष्ट माध्यम प्राप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में नया भारत विकास, सुशासन और सेवा का जो मॉडल स्थापित कर रहा है, उसे हम इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के माध्यम से भी देख सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह अवसर हम सबके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में सामाजिक न्याय को धरातल पर उतारने वाले संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की आज 135वीं पावन जयंती है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश के हर नागरिक को चाहे वह किसी जाति का हो, किसी संप्रदाय का हो, किसी क्षेत्र का रहने वाला हो, महिला हो, पुरुष हो, बुजुर्ग हो या नौजवान, सभी को समान अधिकार देकर एक सशक्त भारत की नींव रखी। बाबा साहेब के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए प्रधानमंत्री जी ने देश में 'पंचतीर्थ' का निर्माण कराया। उनकी प्रेरणा से हमारी सरकार ने भी तय किया है कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर, सद्गुरु रविदास जी महाराज, महर्षि वाल्मीकि समेत सामाजिक न्याय के प्रणेता महापुरुषों की जहां–जहां मूर्तियां स्थापित हैं, वहां यदि बाउंड्री वॉल या मूर्ति के ऊपर छत नहीं है तो सरकार आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराकर इन कार्यों को पूर्ण कराएगी।

इस कार्य की शुरुआत होने जा रही है। यह सम्मान आने वाली पीढ़ियों को एक सूत्र में जोड़ते हुए प्रधानमंत्री जी के 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश सुरक्षा, सुशासन, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और निवेश का नया केंद्र बनकर उभरा है। 'डबल इंजन' सरकार की ताकत क्या होती है, यह आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। चाहे उत्तराखंड हो, उत्तर प्रदेश हो या दिल्ली, अब बड़े से बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में कोई दुविधा नहीं है।

बंगाल का विभाजन नहीं, संवैधानिक समाधान होगा–अमित शाह

कोलकाता,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल का विभाजन किए बिना संवैधानिक तरीके से दार्जिलिंग पहाड़ियों में निवास करने वाले गोरखा समुदाय के मुद्दे का समाधान करेगी।

अमित शाह ने उत्तरी बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के 'एजेंट' हैं और वह उनकी सहमति से बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मुर्शिदाबाद में मस्जिद का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा मस्जिद के निर्माण की अनुमति नहीं देगी।'' शाह ने वादा किया कि पश्चिम बंगाल से अन्य राज्यों को आलू की आपूर्ति करने की अनुमति दी जाएगी ताकि यहां के किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार बनने पर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा, सिंडिकेट राज का खात्मा किया जाएगा और घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा।''

एनआरसी-डिलिमिटेशन और ईवीएम पर उठाए सवाल बोलीं-लोकतंत्र से देंगे जवाब

पिंगला (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भवानीपुर सीट से टीएमसी उम्मीदवार ममता बनर्जी ने पिंगला में आयोजित एक जनसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने उत्तर प्रदेश की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि आजकल उत्तर प्रदेश जल रहा है और आरोप लगाया कि भाजपा बंगाल में भी उसी तरह की राजनीति लाना चाहती है। ममता बनर्जी ने कहा कि योगी बाबू यहां आकर भाषण देते हैं और कहते हैं कि बंगाल में बुलडोजर चलेगा, लेकिन बंगाल में बुलडोजर नहीं चलता। यहां लोग 'प्रणाम', 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' कहते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के लोगों के साथ दुर्व्यवहार होता है। उनके मुताबिक जब बंगाल के लड़के–लड़कियां भाजपा शासित राज्यों में जाते हैं, तो उन्हें प्रताड़ित किया जाता है और बंगाली बोलने पर उन्हें घुसपैठिया कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता इसका जवाब लोकतंत्र के माध्यम से देगी। उन्होंने चेतावनी दी कि इसी महीने डिलिमिटेशन बिल लाया जा सकता है, जो बंगाल को विभाजित कर सकता है। साथ ही उन्होंने एनआरसी लागू करने की आशंका भी जताई। ममता बनर्जी ने अपने भाषण में चुनावी प्रक्रिया को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस बार की लड़ाई अलग है और भाजपा किसी भी तरह से बंगाल पर कब्जा करना चाहती है।

मेरे मार्गदर्शन में चलेगी नई एनडीए सरकार : नीतीश

पटना,एजेंसी। बिहार की राजनीति के दिग्गज नेता नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे 20 साल के उस युग का अंत हो गया। उनके इस्तीफे के बाद, सबकी निगाहें इस बात पर होंगी कि नीतीश कुमार का उत्तराधिकारी कौन होगा, जो निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं और राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ले चुके हैं। राजनीतिक दल–बदल के लिए जाने जाने वाले 75 वर्षीय जेडीयू प्रमुख, जिनकी पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा है। उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन को लोक भवन में सौंपा।

यह इस्तीफा एनडीए की बिहार विधानसभा चुनावों में जेडीयू के दमदार प्रदर्शन के दम पर मिली शानदार जीत के पांच महीने बाद आया है। इससे पहले दिन में नीतीश कुमार ने अपने इस्तीफे से पहले अपनी कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जिससे राज्य में पहली बार भाजपा सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है। अपने इस्तीफे के बाद एक ट्वीट में नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली जैसे सभी क्षेत्रों में समाज के हर वर्ग के लिए काम किया, जिसमें महिलाओं और युवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि नई सरकार इन जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाएगी और उसे उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

बार और बेंच का सहयोग ही वादकारियों के लिए हितकारी : मनोज भाष्कर

प्रयागराज। ग्राम न्यायालय हंडिया के न्यायाधिकारी मनोज भाष्कर का स्थानांतरण के बाद उन्हें विदाई दी गई। उन्होंने कहा कि बार और बेंच का सहयोग जितना बेहतर होगा, न्यायिक प्रक्रिया वादकारियों के लिए हितकर होगा। इससे पहले अधिवक्ताओं

ने उनका अभिवादन किया। इस मौके पर तहसीलदार रविप्रकाश सिंह, अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष राजेश्वरनाथ मिश्र, मंत्री सत्येंद्रनाथ पांडेय, एसीपी हंडिया शेषधर पांडेय, सुभाष तिवारी, भूपेंद्रपति मिश्रा, महेंद्र सिंह और देवेंद्र सिंह आदि रहे।

महिला से मारपीट व छेड़खानी का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र की एक गांव की महिला ने मारपीट और छेड़खानी का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़िता ने बताया कि शनिवार दोपहर वह अपने दरवाजे पर बैठी थी, तभी आरोपी वहां पहुंचा और गाली–गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने हाथ पकड़कर

छेड़खानी और मारपीट की। घटना के दौरान पीड़िता ने शोर मचाया जिससे आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों को देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद वह काफी भयभीत है और न्याय की मांग कर रही है। आसपास के लोगों ने भी घटना की निंदा करते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता की तहरीर पर बहरिया पुलिस ने प्राथमिकी दर्जकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांचकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डेबिट कार्ड बदलकर 40,000 रुपये की ठगी

प्रयागराज। कस्बे के एटीएम बूथ में किसान का डेबिट कार्ड बदलकर टप्पेबाजों ने 40,000 रुपये निकाल लिए। मोबाइल में मैसेज आया तो ठगी का पता चला। सुशील कुमार निवासी लेदहा थाना नवाबगंज का इलाज तेज बहादुर सप्रू अस्पताल प्रयागराज में चल रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार पैर का ऑपरेशन होना था। वह अपने बेटे अभिनय का एटीएम कार्ड लेकर नवाबगंज गए थे। इस दौरान पीछे खड़े साइबर ठगों ने डेबिट कार्ड बदल लिया। थोड़ी देर बाद 40,000 रुपये निकालने का मोबाइल फोन पर मैसेज आया तो उन्हें ठगी का पता चला। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक नवाबगंज की घटना के आधे घंटे बाद कौड़िहार–पचदेवरा स्थित एक एटीएम के पास से एक साइबर ठग को ग्रामीणों ने दबोच लिया। बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया।

दूध बेचने जा रहे अधेड़ की सड़क हादसे में मौत

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के जुगनीडीह गांव में अज्ञात वाहन की टक्कर से दूध बेचने जा रहे अधेड़ की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सोरांव थाना क्षेत्र के रैदेपुर गांव निवासी राजेंद्र यादव (50) पुत्र

रघुवीर प्रसाद यादव सोमवार की सुबह दोपहिया वाहन से जुगनीडीह गांव में दूध बेचने के लिए निकले थे। वह बहरिया थाना क्षेत्र के पिलखिन–जुगनीडीह पुल के पास पहुंचे ही थे कि किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। सिर फटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई। परिजन भी रोते–बिलखते मौके पर पहुंचे। मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था। सूचना पाकर सिकंदरा चौकी प्रभारी अनुराग शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने चचेरे भाई बचाओ लाल की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के वीरकाजी गांव निवासी विश्वनाथ गौतम की पुत्री विभा (17) सोमवार दोपहर बाथरूम में फंदे से झूलती मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका दो भाई और दो बहनों में छोटी थी। पिता विश्वनाथ गुजरात में काम करते हैं। इफको चौकी इंचार्ज रितेश उपाध्याय ने बताया कि परिजन घटना का कारण नहीं बता सके।

आंबेडकर पार्क में पोस्टर फाड़ने पर हंगामा, पिटाई से एक व्यक्ति घायल

प्रयागराज। आंबेडकर पार्क बरीबोझ में सोमवार की देर रात डॉ. आंबेडकर का पोस्टर फाड़ने पर विवाद हो गया। अराजकतत्वों की पिटाई से एक व्यक्ति घायल हो गया। थाना परिसर में पहुंचकर आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग की। करीब 2 घंटे बाद पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद लोग अपने घर वापस लौटे।

आंबेडकर जयंती को लेकर सोमवार को बरीबोझ स्थित डॉक्टर अंबेडकर प्रतिमा स्थल प्रांगण में स्थानीय लोगों द्वारा तैयारी की जा रही थी। आरोप है कि देर रात करीब 8रू30 बजे पड़ोसी गांव के कुछ लोग पहुंचे और पोस्टर को फाड़ दिया। आंबेडकर जयंती की

तैयारी में काम कर रहे दया शंकर गौतम निवासी जुड़ापुर झिगंहर की पिटाई कर दी। इससे दयाशंकर घायल हो गया। आरोप है कि अराजकतत्व ने गोली भी चलाई। दयाशंकर के सिर में खून बहता देखकर लोग नाराजगी जताते हुए मौके पर पहुंचे।

कुछ देर बाद काफी संख्या वाले लोग थाना नवाबगंज पहुंचे और आरोपियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की। देर रात घटना की खबर मिलते ही बसपा नेता डॉक्टर रामराज,, लालजी प्रेमी, नदीम अहमद, जियालाल गौतम ने घटना का विरोध किया। उन्होंने आरोपियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की।

पुलिस भर्ती के नाम पर 70,000 हड़पे, रिपोर्ट दर्ज

प्रयागराज। प्रतियोगी छात्र को पुलिस में नौकरी दिलवाने के नाम पर 70,000 हजार रुपये हड़प लिए गए। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता निवासी श्याम लाल बिंद का कहना है कि उसका पुत्र राम मूरत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। आरोप है कि 2023 में उसके पुत्र को ग्राम देवगलपुर निवासी अनिल कुमार यादव और उसके परिजनों ने पुलिस में नौकरी दिलाने के नाम पर 70,000 रुपये ले लिए। काफी दिन तक ज्वाइन लेटर नहीं आया तो उन्हें धोखाधड़ी का शक हुआ। रुपये मांगने पर आरोपी आजकल कहने लगा। आरोप है कि 6 अगस्त 2025 को मऊआइमा थाने में तहरीर देने के बाद समझौता हुआ था कि पैसा वापस कर देंगे। आज तक रुपये नहीं दिया गया। श्याम लाल ने इसकी लिखित शिकायत पुलिस आयुक्त से की। पुलिस आयुक्त के आदेश पर पुलिस ने आरोपी अनिल कुमार

यादव और उसके परिजनों के नाम प्राथमिकी दर्ज की।

युवक को विदेश भेजने के नाम पर 65000 रुपये की ठगी

सोरांव। विदेश भेजने के नाम पर एक युवक से 65000 रुपये की ठगी कर ली गई। भुक्तभोगी ने सोरांव थाने में तहरीर दी है। प्रतापगढ़ के कौलापुर गौरा गांव निवासी विकास कुमार सोरांव के सेवाइत गांव में रिश्तेदारी में आया था। इस दौरान विकास के रिश्तेदार ने बताया कि उसका एक दोस्त विदेश में नौकरी लगवाने का काम करता है। विकास कुमार की मुलाकात सरायदीना गांव के रहने वाले एक युवक से कराई। आरोपी युवक ने विकास को विदेश भेजने के लिए करीब 65 हजार खाते में डलवाए।

विकास कई दिनों तक आरोपी को फोन किया तो उसने पहले दिल्ली बाद में गुजरात से फ्लाइट मिलने की बात कही। जब विकास कुमार ने अपने रुपये मांगे तो उसने फोन काट दिया। भुक्तभोगी विकास कुमार ने परेशान होकर सोरांव थाने में तहरीर दी। सोरांव प्रभारी निरीक्षक केशव वर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बिजली का तार टूटकर खेत में गिरा, गेहूं की खड़ी फसल जल कर राख

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तम पुर गांव में सोमवार दोपहर बिजली का हाईवोल्टेज तार टूटकर गेहूं की खड़ी फसल पर गिर गया। इससे गांव निवासी राम बाबू एवं ब्रिज लाल मास्टर की करीब 10 बिस्वा खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड एवं थाना अध्यक्ष उतरांव विनय कुमार सिंह टीम के साथ पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। इधर, करछना थाना क्षेत्र के खाई गांव में सोमवार को ट्रैक्टर–ट्रॉली पर लदे गेहूं के गट्ठर में बिजली का तार टकराने से आग लग गई।

गांव निवासी शिवकुमार शर्मा, राकेश कुमार शर्मा गेहूं मड़ाई करने के लिए गेहूं का गट्ठर लादकर खलिहान ले जा रहे थे। तभी ऊपर से गुजरी 11 हजार बिजली का तार गट्ठर में टकरा गया। इससे गट्ठर राख हो गई।

शॉर्ट सर्किट से फसल जली

बेमौसम की बारिश से किसान अभी उबरे भी नहीं थे कि शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल राख हो गई। ग्राम करकटेपुर निवासी रमेश कुमार, सुरेश कुमार, राम

सिंह, मुकेश कुमार और सोना देवी आदि की मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम चमरूपुर में लगभग छह बीघा खेत है। जिसमें गेहूं की फसलें तैयार थी। सोमवार को दोपहर में खेत के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार में शॉर्ट सर्किट होने से गेहूं की फसल राख हो गई। सूचना पर पहुंची अग्निशमन विभाग ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

नातिन का बयान और सीडीआर में विरोधाभास, दो संदिग्ध हिरासत में

प्रयागराज। बरहा कला ग्राम पंचायत के बबुरा गांव में कस्तूरा देवी (62) की हत्या के मामले में नातिन के बयान और मोबाइल कॉल डिटेल (सीडीआर) में विरोधाभास सामने आया है। पुलिस दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय ने बताया कि पोस्टमार्टम में महिला की मौत करीब 12 घंटे पहले होने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार हत्या

रात दो से चार बजे के बीच की गई। मृतका के नाक, होंठ व जबड़े पर सूजन तथा हाथ और सिर के पीछे चोट के निशान मिले हैं, जो मुंह–नाक दबाकर हत्या और संघर्ष की ओर संकेत करते हैं। जांच में नातिन के बयान और मोबाइल डाटा में अंतर सामने आया है। नातिन ने पुलिस को बताया था कि वह रात करीब 10 बजे सो गई थी, जबकि उसके मोबाइल फोन से इंस्टाग्राम पर रात साढ़े 12 बजे तक वॉयस कॉल का रिकॉर्ड मिला है। घटना की रात दो अलग–अलग लोगों से बातचीत और एक व्यक्ति से करीब आधे घंटे से अधिक कॉल का डाटा भी मिला है। सूत्रों के अनुसार, इन तथ्यों के आधार पर दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दोनों थाना क्षेत्र के ही निवासी बताए जा रहे हैं। दामाद अजय बिंद के मुताबिक, वारदात के बाद मृतका के शरीर से गहने भी गायब मिले हैं। इसके मद्देनजर पुराने चोरी व लूट के मामलों में शामिल आरोपियों का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। पुलिस जमीन के बंटवारे, रंजिश और लूट और चोरी के एंगल पर जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि सभी बिंदुओं पर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और जल्द ही मामले के खुलासे का प्रयास किया जाएगा। मृतका के गांव पहुंचे इलाहाबाद सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने सोमवार को परिजनों से मुलाकात कर घटना पर दुख जताया। उन्होंने पुलिस अफसरों से फोन पर बात कर जल्द खुलासे के निर्देश दिए और मुआवजा दिलाने सहित हर संभव मदद का भरोसा दिया। वहीं मेजा विधायक संदीप पटेल ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 24 घंटे बाद भी हत्यारे खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द खुलासा नहीं हुआ तो सपाई आंदोलन करने को बाध्य होंगे। शाम को यमुनापार विकास मंच के अध्यक्ष सर्वेश तिवारी बाबा ने भी परिवार से मुलाकात कर संवेदना जताई। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि राजेश्वर यादव, राम शिरोमणि तिवारी, प्रेमशंकर पटेल, मंगला सरोज आदि मौजूद रहे।

आंबेडकर जयंती पर निकाली 8 किमी की जय भीम शोभायात्रा

प्रयागराज। कोरांव में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती के पूर्व दिवस पर सोमवार को 8 किलोमीटर की लंबी जय भीम शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में देश की आजादी में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों, शिक्षा की अलख जगाने वाले महापुरुषों तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर समरसता और भाईचारा कायम करने वाले महान पुरुषों की तस्वीरें भी लगाई गई।

डीजे व बैंड–बाजे की धुन पर थिरकते हुए हाथ में आंबेडकर की प्रतिमा लगे नीले झंडे के साथ लोग शामिल हुए। इस दौरान शोभायात्रा में विभिन्न समाज सुधारको संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर, ज्योतिबा राव फुले, बिरसा मुंडा, गौतम बुद्ध जैसे महान क्रांतिकारियों की झांकी भी सजाई गई थी। झांकी के रूप में कार्य कर रहे बच्चों को लोगों ने सम्मानित किया।

जय भीम शोभायात्रा में प्रमुख रूप से यात्रा के संस्थापक दिनेश चौधरी, आयोजन समिति के अध्यक्ष पवन सिंघाल पटेल, एडवोकेट लवकुश कोल, आयोजक अमित जैसल, आयोजन समिति के उपाध्यक्ष सत्येंद्र पाल आदि लोग शामिल हुए। शोभा यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो इसके लिए थाना प्रभारी कोरांव राकेश कुमार वर्मा दलबल के साथ मौजूद रहे।

गेहूं की तैयार फसलों को नीलगाय कर रही है चौपट

प्रयागराज। क्षेत्र में इन दिनों गेहूं की पकी फसल को नीलगाय खेतों में घुसकर चौपट कर रही है। किसान बताते हैं कि गेहूं की तैयार फसल को नीलगाय लगातार नुकसान पहुंचा रही हैं, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। क्षेत्र में मौसम साफ होने के बाद किसान गेहूं कटाई और मढ़ाई का कार्य तेजी से कर रहे हैं और छोटे कास्तकारों ने मढ़ाई का कार्य पूरा भी कर लिया है। लेकिन बड़े कास्तकारों के खेतों में गेहूं की तैयार फसलों को नीलगाय रौंद देती है और खा जाती है। किसान रामसूरत व जीतलाल ने कहा कि मेहनत और खर्च से फसल तैयार की थी, लेकिन कटाई से पहले ही नीलगाय फसलों को बर्बाद कर रही है।

जल जीवन मिशन का कार्य अधर में, पानी को तरस रहे ग्रामीण

प्रयागराज। ग्रामीण इलाकों में पेयजल समस्या की किल्लत को दूर करने के लिए शासन द्वारा 2023 में जल जीवन मिशन योजना शुरू किया गया था। जिम्मेदारों की अनदेखी से निर्धारित अवधि पूर्ण हो जाने के बावजूद घरों में पानी नहीं पहुंचा।

तहसील क्षेत्र के जसरा और शंकरगढ़ में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल नल योजना शुरू किया गया है। इसके लिए विभाग की ओर से 440 करोड़ रुपये से विकास खंड जसरा के ग्राम पंचायत देवरिया में यमुना नदी के मध्य में बोर कराया गया है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य 275 गांवों में शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। इसके तहत विभिन्न गांवों को जोड़ने के लिए 1980 किमी क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाना था और 44 पानी की टंकी विभिन्न गांवों में बनवाना था, लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी से योजना बेकार साबित हो रही है। विकास खंड जसरा और शंकरगढ़ के निर्माणाधीन 44 टंकियों में से शत प्रतिशत कार्य किसी का पूरा नहीं हो सका है। ओम प्रकाश मिश्रा और सतीश त्रिपाठी आदि ग्रामीणों ने बताया कि अधिकांश जगहों पर अभी तक 40 प्रतिशत कार्य भी पूरा नहीं हो सका है। 31 जुलाई 2025 तक कार्य पूर्ण कर पानी की आपूर्ति होनी थी। कार्य को पूर्ण करने और पानी की आपूर्ति शुरू किए जाने के लिए ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की लेकिन समस्या का समाधान नहीं कराया जा सका है। विकास खंड जसरा के ग्राम पंचायत पिपराव सहित अन्य गांवों में एक वर्ष पूर्व ठेकेदार कार्य को अधूरा छोड़कर भाग गया है। इससे पानी की आस लगाए बैठे ग्रामीणों में मायूसी छा गई है। मामले में अधिशाषी अभियंता प्रयागराज प्रवीण कुमार का कहना है कि धन के अभाव में कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका है। इसकी अवधि 2027 जुलाई तक बढ़ा दिया गया है।

कछुआ सेंक्चुरी क्षेत्र में खनन के आरोप में दो नाव जब्त

प्रयागराज। कछुआ सेंक्चुरी क्षेत्र के गोगांव में खनन करने के आरोप में वन विभाग की टीम ने दो नावों को जब्त किया है। साथ ही नौ खनन माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

मेजा के वन क्षेत्राधिकारी अजय सिंह ने बताया कि खनन की शिकायत मिलने पर कछुआ सेंक्चुरी क्षेत्र गोगांव गंगा घाट पर छापा मारा गया। मौके पर मिली दो नावों को जब्त कर लिया गया है। वहीं नौ खनन माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। वन क्षेत्राधिकारी मेजा अजय सिंह ने बताया कि कछुआ सेंक्चुरी क्षेत्र में अवैध खनन करने के आरोप में नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। इनमें जटाशंकर, संत लाल, रतन लाल, शिवराज पांडेय, हरिशंकर मांझी, राजेश, पवन दुबे, परमेश्वर चौबे और जयनाथ मांझी निवासी गोगांव थाना जिगना मिर्जापुर शामिल हैं। प्रयागराज के कोठरी गांव से मिर्जापुर भदोही के बीच 30 किलोमीटर के तटीय क्षेत्र को कछुआ सेंक्चुरी क्षेत्र घोषित किया गया है। कछुआ सेंक्चुरी क्षेत्र बनाए जाने के पीछे गंगा डाल्फिन, मीठे पानी के कछुओं और अन्य जलीय जीवों का संरक्षण करने का उद्देश्य है।

काम कर रहा मजदूर पुल से गिरा, मौत

प्रयागराज। राम गमन मार्ग पर बनाए जा रहे गंगा पुल पर काम कर रहा मजदूर अनूप कुमार निषाद (22) निवासी रामपुर घाट गोपीगंज, भदोही सोमवार सुबह गिर गया। इस दौरान अन्य मजदूर उसे कौड़िहार सीएससी के बाद स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल ले गए। जहां दोपहर में उसकी मौत हो गई। सूचना पर परिजन प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पावर हाउस में आग से आपूर्ति ठप, 30 हजार आबादी अंधेरे में

प्रयागराज। कस्बे के विद्युत उपकेंद्र स्थित फूलपुर टाउन पावर हाउस में सोमवार शाम इनकमिंग पैनल की मुख्य लाइन में अचानक आग लग गई। इससे करीब 30 हजार आबादी अंधेरे में रही। घटना सोमवार शाम करीब 6रू30 बजे की है। पावर हाउस के इनकमिंग पैनल में आग लगने के कारण सप्लाई तत्काल बंद पड़ गई। बिजली न होने से कस्बे में पेयजल संकट भी गहरा गया। मोटर न चल पाने के कारण घरों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। उमस भरी गर्मी में लोग पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण बंद होने से रातभर जागने को मजबूर रहे। स्थानीय लोगों में बिजली विभाग के प्रति नाराजगी भी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से बचाव के लिए पहले से ठोस इंतजाम होने चाहिए। एसडीओ विद्युत फूलपुर अमन सिंह का कहना है कि इनकमिंग केबल और पैनल में आई खराबी को ठीक करने को तकनीकी टीम को सूचित किया गया है और आपूर्ति बहाल करने के की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

प्रदीप कुमार जैन (कालिंदीपुरम) जैन मिलन प्रयागराज के अध्यक्ष बने

प्रयागराज। जैन समाज की एक सामाजिक प्रमुख संस्था जैन मिलन प्रयाग का आगामी 2 वर्षीय सत्र के लिए जीरोरोड जैन धर्मशाला में चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें श्री प्रदीप कुमार जैन कालिंदीपुरम निवासी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर

पर चुनाव अधिकारी प्रद्युम्न कुमार जैन (क्षेत्रीय कार्य अध्यक्ष) ने चुनाव संपन्न प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया और बताया कि इस संस्था में सिर्फ अध्यक्ष पद का चुनाव होते हैं और चयनित अध्यक्ष संस्था के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्यकारिणी सदस्यों का चयन करते हैं। अध्यक्ष पद के लिए वर्तमान अध्यक्ष श्री अनूप चंद्र जैन, अरुण कुमार जैन, महेंद्र कुमार जैन तथा अखिलेश जैन के नाम भी प्रस्तावित किए गए थे। किंतु अन्य सभी उम्मीदवारों द्वारा नाम वापस लिए जाने से श्री प्रदीप कुमार जी जैन निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए। उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई दी गई तथा तिलक करके अभिनंदन किया गया। वर्तमान अध्यक्ष द्वारा उन्हें भविष्य में पूरा सहयोग प्रदान किए जाने का आश्वासन दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए सभी से भविष्य मे सहयोग प्रदान करने की अपील किया।

जिलाधिकारी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मथुरा। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने डीग गेट क्षेत्र में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा

साहब सामाजिक समरसता, समानता एवं कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक थे। उन्होंने भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान करते हुए संविधान का निर्माण किया, जो आज देश की एकता और अखंडता का आधार है। जिलाधिकारी ने बाबा साहब को कोटि–कोटि नमन करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया और कहा कि उनके विचार आज भी समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बच्चों को सुनाया बाबा साहेब का जीवनवृत्त, बांटे कापी और पेन

–संविधान निर्माता, भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर द्वारिका नरहरपुर में हुआ भव्य आयोजन

प्रतापगढ़। मंगलवार को संविधान निर्माता भारत रत्न डा. भीमराव रामजी आंबेडकर बाबा साहेब की 135वीं जयंती उमंग और उत्साह के साथ मनाई गई। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में रानीगंज के द्वारिका नरहरपुर में भाजपा नेता आलोक कुमार पांडेय ने बच्चों के साथ बाबा साहेब की जयंती मनाई। बच्चों को बाबा साहेब के जीवनवृत्त से परिचित कराया गया। साथ ही पढ़ाई के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें कापी और पेन भी वितरित किया गया। रानीगंज के द्वारिका नरहरपुर गांव में अरविंद गौतम के संयोजन में बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से स्कूली बच्चों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता एवं सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता आलोक कुमार पांडेय ने बच्चों को बाबा साहेब के जन्म, उनके जीवन के संघर्षों और संविधान निर्माता बनने तक की कहानी विस्तार से सुनाई। इसके साथ ही भाजपा नेता ने संविधान की मूल संकल्पना को लेकर बाबा साहेब द्वारा व्यक्त किए विचार को पढ़कर सुनाया। इस दौरान वहां मौजूद बच्चों के साथ ही अन्य सभी लोगों ने मूल संकल्पना को दोहराया। भाजपा नेता ने बच्चों को बाबा साहेब के बताए गए आदर्शों और उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प भी दिलाया।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदायें आमंत्रित करते हैं।
क्रम सं.-01. निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा-एल-01-26-27, कार्य का नाम: (i) वाराणसी मंडल रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा वीडियो सर्विलांस सिस्टम हेतु विद्युत आपूर्ति एवं एयर कंडीशनर की व्यवस्था (ii) वाराणसी मंडल के इन्दारा सीवान एवं कुशाही रेलवे स्टेशनों के गुड्स शेड में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था हेतु विद्युत कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 14,92,058.41, अमानत राशि: ₹ 29,900/-, कार्य समापन का समय: 04 महीने, निविदा समापन की तिथि एवं समय: 07-05-2026, 14:30 बजे, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 07-05-2026, 14:30 बजे।
क्रम सं.-02. निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा-एल-02-26-27, कार्य का नाम: (i) छपरा रनिंग रूम में सोलर पैनलिंग, फॉल्स सीलिंग, सीलिंग लाइटिंग एवं कवरड पाथवे के निर्माण हेतु विद्युत कार्य। (ii) नये इलेक्ट्रिक लोको ट्रिप शेड/छपरा में अतिरिक्त स्टोर रूम तथा मशीनरी एवं प्लांट की व्यवस्था। (iii) छपरा कचहरी में एक रनिंग लाइन, CSL-650 मी एवं शंटिंग नेक 750 मी की व्यवस्था हेतु विद्युत कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 15,42,131.40, अमानत राशि: ₹ 30,900/-, कार्य समापन का समय: 04 महीने, निविदा समापन की तिथि एवं समय: 07-05-2026, 14:30 बजे, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 07-05-2026, 14:30 बजे।
क्रम सं.-03. निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा-एल-03-26-27, कार्य का नाम: (i) सीवान यार्ड रीमॉडलिंग एवं आवश्यक अतिरिक्त ट्रैफिक सुविधायें: 3 रनिंग लाइन, नॉन-रनिंग लाइन का रनिंग लाइन में रूपांतरण, अतिरिक्त प्लेटफार्म आदि। (ii) [illegible] स्टेशन पर BPCL साइडिंग के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग द्वारा S&T परिसम्पत्तियों का सुदृढ़ीकरण। (iii) थावे (चरण-II) में एक स्टेबलिंग लाइन) 700 मी. एवं एक रनिंग लाइन (750 मी) की (एसी की व्यवस्था हेतु विद्युत कार्य।) अनुमानित लागत: ₹ 68,13,574.14, अमानत राशि: ₹ 1,36,300/-, कार्य समापन का समय: 04 महीने, निविदा समापन की तिथि एवं समय: 07-05-2026, 14:30 बजे, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 07-05-2026, 14:30 बजे।
• उपरोक्त ई-निविदा कार्यों के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जायें।
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य
मुवापि/विद्युत-13 वाराणसी
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वाशा हिंदी अकादमी, जोरहाट का नवम स्थापना दिवस

51 साहित्यकार "पूर्वाशा साहित्य गौरव सम्मान" से अलंकृत

विश्वनाथ के हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो, मनीषा पाल, सैयदा आनोवारा खातुन और मौसम कुमारी राय सम्मानित

कार्यक्रम में पूर्वाशा पत्रिका के नवम अंक, साझा संकलन 'कही अनकही' और साहित्यकार रूनू बरूवा की नवीनतम पुस्तक 'क्षण में क्षणिका' का हुआ विमोचन

विश्वनाथ, असम। पूर्वाशा हिंदी अकादमी, जोरहाट का नवम स्थापना दिवस रविवार को होटल क्लबवे ग्रैंड, जोरहाट में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जेबी यूनिवर्सिटी के डीन डा. सुरोजित शर्मा जी, विशिष्ट अतिथि ओएनजीसी के आदरणीय संत जी, अकादमी की संस्थापक अध्यक्ष रूनू बरुवा जी, संस्थापक सचिव जयश्री शर्मा और संस्थापक कोषाध्यक्ष जिमी मोदी के आसन ग्रहण करने के साथ हुआ जिन्हें अकादमी के नवीनतम आजीवन सदस्य आयुष्मान बरुवा द्वारा मंच पर आमंत्रित किया गया। दीप प्रज्वलन के पश्चात् वंदना मिश्रा द्वारा गणेश वंदना तथा ज्योमी बरुवा हजारिका द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। सभी उपस्थित सदस्यों व अतिथियों द्वारा स्वयं का परिचय देने के पश्चात् अध्यक्ष रूनू बरूवा जी ने सभी उपस्थित विद्वतजनों का स्वागत करते हुए अपने स्वागत भाषण में अकादमी के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य की परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी, जिसमें पूरे राज्य स्तर पर हिंदीतर भाषी छात्रों के बीच बाल साहित्य प्रतियोगिता कराने का निर्णय प्रमुख है। हमारे वरिष्ठ संरक्षक एनसी करनानी जी और श्रीप्रकाश बरूवा जी ने सभा को संबोधित करते हुए अकादमी के कार्यों की सराहना की। तत्पश्चात जोरहाट के बाहर से आए हुए अतिथियों को फुलाम गामोछा पहना कर उनका सम्मान किया गया। उज्जैन के चुन्नीलाल परमार जी, विश्वनाथ चारिआलि के हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो जी, सैयदा आनोवारा खातून जी, मनीषा पाल एवं मौसम कुमारी राय जी तथा सिलचर की डोली शाह जी, तिनसुकिया की सुधा केजरीवाल जी और ओएनजीसी से अवकाश प्राप्त जयाश्री सैकिया जी ने पूर्वाशा अकादमी को बधाई देते हुए अपने–अपने

वक्तव्य प्रस्तुत किये।इसके पश्चात् सचिव जयश्री शर्मा द्वारा सचिव की रिपोर्ट तथा कोषाध्यक्ष जिमी मोदी द्वारा गत वर्ष के आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

नीलाक्षी जी द्वारा विशिष्ट अतिथि का परिचय प्रस्तुत करने के पश्चात् विशिष्ट अतिथि संत जी द्वारा सभा को संबोधित किया गया। उन्होंने अकादमी के कार्यों की सराहना करते हुए पदाधिकारियों की तपस्या की सराहना की और सभी सदस्यों को सहयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा हिंदी भाषा जिस तरह लिखी जाती है इस तरह बोली भी जाती है जैसे केमेस्ट्री चेमेस्ट्री नहीं होती। यह हमारी धरोहर है और सभी लोगों को जोड़ने वाली कड़ी का काम करती है।प्रेम गुप्ता जी द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय पढ़ने के पश्चात् मुख्य अतिथि डा० सुरोजीत शर्मा जी ने अपने संबोधन में अकादमी को बधाई देते हुए कहा कि विभिन्न भाषाओं, लोगों व संस्कृतियों के बीच हिंदी भाषा सेतु का कार्य करती है। तत्पश्चात् पूर्वाशा की विभिन्न शाखोंओं को सम्मान पत्र तथा उत्तम कार्य हेतु मेमोंटो प्रदान किये गये।प्रथम स्थान –जोरहाट शाखा,द्वितीय स्थान – तिनसुकिया शाखा ,तृतीय स्थान – शिवसागर शाखा को प्रदान किया गया।अकादमी के सदस्यों की रचनाओं से सुसज्जित दूसरे साझा संकलन ९कही अनकही९ के बारे में ज्योति अग्रवाल जी द्वारा दो शब्द बोलने के पश्चात् इसका विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। प्रत्येक रचनाकार को पुस्तक की दो प्रतियां और सम्मान पत्र प्रदान किए गए।इसके बाद जिमी मोदी द्वारा दो शब्द कहने के पश्चात् आजीवन सदस्यों की रचनाओं से सुसज्जित पूर्वाशा पत्रिका के नवम अंक का विमोचन विशिष्ट अतिथि द्वारा किया गया और उपस्थित सभी लोगों को पत्रिका की एक–एक प्रति प्रदान की गई।तत्पश्चात रूनू बरूवा जी की नवीनतम पुस्तक ९क्षण में क्षणिका९ का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया और उन्होंने पुस्तक की खूबसूरत समीक्षा भी प्रस्तुत की।

सचिव जयश्री शर्मा द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करने के पश्चात् राष्ट्रीय गान गाया गया और उसके बाद सभा की समाप्ति की घोषणा की गई और केक काटा गया।दोपहर के भोजन के बाद काव्य गोष्ठी आरंभ हुई जिसका संचालन उपाध्यक्ष ममता गिनोड़िया जी द्वारा किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों व अतिथियों द्वारा काव्य पाठ किया गया। काव्य गोष्ठी में पूर्वोत्तर एवं मध्य प्रदेश के कवियों ने कविता वाचन की। शाम की चाय के पश्चात् इस भव्य कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

संविधान की उत्कृष्टता, सार्थकता और यथार्थता राजनैतिक दलों की नैतिकता पर निर्भर- न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी

प्रयागराज। परिसर के सभागार में आज भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर "भारतीय संविधानः भारतीय सभ्यता के मूल वाला जीवंत संविधान" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आयोजन सेवार्थ संस्था एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान मे किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉ. गौतम चौधरी, माननीय न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद तथा विशिष्ट अतिथि श्री नीरज केशरीनाथ त्रिपाठी, पूर्व अपर महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद रहे। मुख्य अतिथि डॉ. गौतम चौधरी ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में भारतीय संविधान को एक संतुलित एवं जीवंत संविधान बताया। उन्होंने भारत के संविधान को विभिन्न चुनौतियों से निपटने में सक्षम एवं समर्थ बताया। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान निर्माणोपरान्त दिये गये कथन का विशेषतरू उल्लेख करते हुए उन्होंने संविधान की उत्कृष्टता, स्वीकार्यता एवं सार्थकता को भारत देश के विभिन्न राजनीतिक दलों की नैतिकता पर निर्भर बताया। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि श्री नीरज केशरीनाथ त्रिपाठी ने भारतीय संविधान को निरन्तर विकसित होता हुआ एक जीवंत संविधान बताया। उन्होंने लचीलेपन के साथ साथ कठोरता के समावेश को संविधान की समृद्धता एवं विशिष्टता का परिचायक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने भारतीय

संविधान द्वारा सभी मतों, सम्प्रदायों एवं विचारधाराओं को समान रूप से सम्मान देने की भावना को भारतीय संस्कृति का परिचायक बताया। उन्होंने अपने उद्बोधन में संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर को भारतीय संस्कृति एवं परम्परा का सच्चा अनुयायी एवं अनुगामी बताया। इसके पूर्व परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने समस्त उपस्थितजनों का स्वागत किया। बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर के जन्मदिवस पर सेवार्थ संस्था द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सेवार्थ संस्था की सुश्री शेफाली द्वारा परिसर के अध्यापकों के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में सेवार्थ संस्था के वैभव पाठक, शिवांगी सिंह चन्देल, अर्चना वर्मा के साथ ही पाण्डुलिपि विभागाध्यक्षा प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. अंजनी कुमार पुण्डरीक, राजेशकान्त तिवारी, संजय कुमार मिश्र, विपिन द्विवेदी सहित अन्य परिसरीय अधिकारी, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आकर युवक की मौत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के गुडंबा इलाके में 11 हजार हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना से नाराज परिवार के लोगों ने किसान यूनियन के साथ मिलकर श्मशान घाट के पास प्रदर्शन किया और मुआवजे की मांग की। मौके पर पुलिस पहुंचकर हालात को संभालने में जुटी रही। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में 13 अप्रैल को दोपहर में एक टेंट मजदूर की हाई टेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना सरोजनीनगर के बेहटवा गांव में हुई, जहां सोमवार से भागवत कथा शुरू होनी थी। गुडम्बा थाना क्षेत्र के सेक्टर–के, छोटा पहाड़पुर निवासी 36 साल के श्यामू रावत भागवत कथा स्थल पर टेंट लगा रहा था। दोपहर करीब 2 बजे श्यामू लोहे की सीढ़ी पर चढ़कर टेंट का पाइप लगा रहा था। इसी दौरान तेज हवा के झोंके से लोहे का पाइप बगल से गुजर रही 11000 वोल्टेज की विद्युत लाइन से छू गया। करंट लगने से श्यामू बुरी तरह झुलस गया। गुडंबा इलाके के सेक्टर जे निवासी श्यामू की मौत 11 हजार हाइटेंशन लाइन के चपेट में आने से हो गई। जिसके बाद नाराज परिजनों ने हंगामा किया। साथ ही किसान यूनियन के साथ में मिलकर प्रदर्शन करने लगे। परिजनों को मुआवजा दिलवाने की मांग करते हुए श्मशान घाट के पास में प्रदर्शन हुआ। हंगामे को बढ़ता देख मौके पर इंस्पेक्टर गुडंबा अंजनी कुमार मिश्रा सहित अन्य लोग परिजनों को शांत करते नजर आए। वहीं, पुलिस का कहना है कि व्यक्ति सरोजनीनगर स्थित एक शादी में काम कर रहा था। यहीं पर लाइट की चपेट में आने के बाद सोमवार(13 अप्रैल) को मौत हुई थी। परिजन मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

आशाओं की धूप

(छप्पय)

आशाओं की धूप खिलेगी जल्दी आना।
बेमौसम बरसात देखकर मत घबराना।
है मुश्किल का दौर भूख को व्रत में बदलो।
बदलेगा फिर वक्त निकल कर बाहर टहलो।
अपनों के खातिर सदा सहते हैं जो भूख को।
वही खड़े हो सामने रोक रहे हैं लूट को।।

रखना थोड़ा धैर्य गुजर संकट जाएगा।
तम से कर संघर्ष सवेरा फिर आएगा।
खिड़की करके बंद चलो दरवाजा खोलो।
पूछो सब का हाल मगर मत तीखा बोलो।
भूखा रहना भी पड़े खोना मत सम्मान को।
हल भी इसका है निकट, ढूँढों इसको ध्यान से।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

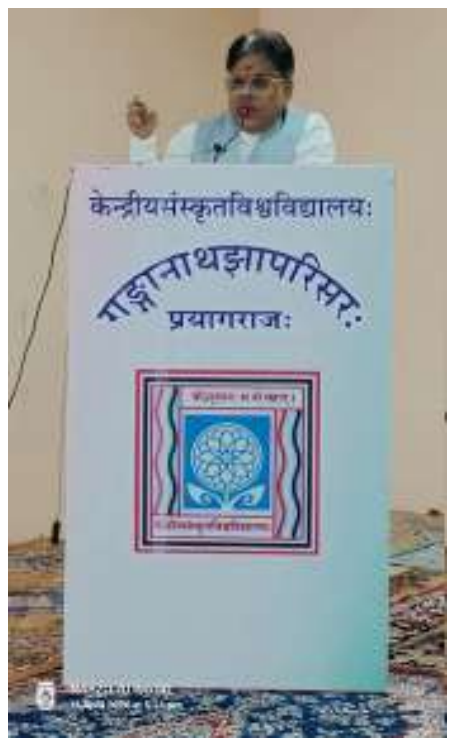

गोकुल में धूमधाम से मनाई बाबा साहेब की जयंती

गोकुल (मथुरा)। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज समिति रजिस्टर्ड, गोकुल मथुरा द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और संविधान निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके बताए

मार्ग पर चलकर ही समाज में समानता और न्याय स्थापित किया जा सकता है। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान दीपक सिंह (अध्यक्ष), नवीन सिंह (सचिव), मुकेश कुमार (कोषाध्यक्ष), रिंकू सागर (उप सचिव), देशराज (सदस्य), राहुल सिंह (सदस्य), अनिल कुमार, रवि सिंह (उपाध्यक्ष), अमर कुमार (सदस्य), सुशील कुमार, अभिनेष कुमार, रोहित कुमार, दिनेश कुमार, सुखदेव, शिवम् कात्यान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाने और समाज में शिक्षा, समानता व भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

भारत रत्न से सम्मानित कानून के रचयिता सर्वश्री बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाया

प्रयागराज। भारत रत्न से सम्मानित कानून के रचयिता सर्वश्री बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के शुभ अवसर पर पन्नालाल धोबी घाट प्रयागराज पर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती का आयोजन किया गया है जिसमें समाज के लोगों ने बढ़–चला का हिस्सा लिया और बाबा साहेब के प्रतिमा पर

माल्यार्पण कर अपने विचारों से संबोधित किया और इस शुभ अवसर पर मुन्नू चौधरी संजय कुमार कनौजिया अर्जुन लाल कनौजिया राकेश कुमार कनौजिया विजय कनौजिया शिव शंकर कनौजिया संदीप कनौजिया प्रभाकर कनौजिया और समाज के अन्य लोगों ने अन्य लोग कार्यक्रम में मौजूद थे।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना संख्या : 02 विद्युत/सा0/प्रयागराज/26-27 दिनांक : 10.04.2026
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 06.05.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

(1) निविदा सूचना संख्या : ELG-07-2627	काम की लागत (रू. में) : 7694883.10
कार्य का नाम : SSE/PL/CNB डिपो (KBN से ETW तक) के अंतर्गत, दो वर्षों के लिए सम्बन्धित मोटर/पंपों की मरम्मत, स्पेयर पार्ट्स बदलने और सम्बन्धित मोटर (01 फेज और 03 फेज) की री-वाइंडिंग का रनिंग कॉन्ट्रैक्ट।	
बिड सिक्योरिटी (रू. में) : 153900.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 24 महीना
(2) निविदा सूचना संख्या : ELG-08-2627	काम की लागत (रू. में) : 6737434.35
कार्य का नाम : SSE/PL/PRYJ के अंतर्गत, प्रयागराज और MZP क्षेत्रों में सम्बन्धित मोटर/पंपों की मरम्मत, स्पेयर पार्ट्स बदलने और सम्बन्धित मोटर (01 फेज और 03 फेज) की री-वाइंडिंग के लिए दो वर्षों का रनिंग कॉन्ट्रैक्ट।	
बिड सिक्योरिटी (रू. में) : 134800.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 24 महीना
(3) निविदा सूचना संख्या : ELG-09-2627	काम की लागत (रू. में) : 25001207.65
कार्य का नाम : "प्रयागराज मंडल की अमृत भारत स्टेशन योजना" के तहत सोनभद्र, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद और मैनपुरी स्टेशनों पर 12 मीटर चौड़े FOB (फुट ओवर ब्रिज) के प्रावधान में संबंधित विद्युत कार्य।" "कानपुर अनवरगंज CPA प्रयागराज मंडल के तहत "अमृत भारत योजना" के अंतर्गत कानपुर अनवरगंज स्टेशन पर 12 मीटर चौड़े FOB के प्रावधान से संबंधित विद्युत कार्य।"	
बिड सिक्योरिटी (रू. में) : 500000.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 महीना
(4) निविदा सूचना संख्या : ELG-10-2627	काम की लागत (रू. में) : 21509492.67
कार्य का नाम : SSE/PS/MZP, SBDR, ETW, FTP, DER और MKP के अंतर्गत आने वाले स्टाफ क्वार्टरों की री-वायरिंग।	
बिड सिक्योरिटी (रू. में) : 430200.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 महीना
(5) निविदा सूचना संख्या : ELG-11-2627	काम की लागत (रू. में) : 5922954.05
कार्य का नाम : "इटावा - ADEN/ETW के अंतर्गत इटावा में छोड़े गए क्वार्टरों के बदले 06 यूनिट, टाइप-II स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण" कार्य से संबंधित विद्युत कार्य। मैनपुरी कार्य से संबंधित विद्युत कार्य SKB-FBD सेक्शन के अंतर्गत MNQ में न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) की कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 को उच्च स्तर तक ऊपर उठाना। "अछिनपुर-टूंडला सेक्शन के अंतर्गत SB, MNR, EKL और JGR में दिव्यांगजनों के लिए सभी शेष सुविधाओं का प्रावधान" कार्य से संबंधित विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रू. में) : 118500.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 महीना
(6) निविदा सूचना संख्या : ELG-12-2627	काम की लागत (रू. में) : 9666047.27
कार्य का नाम : PRYJ डिवीज़न के Rura (RURA) स्टेशन पर "दिव्यांगजनों की सुविधा बहाल करने के लिए पुराने FOB को 6.10 मीटर चौड़े नए FOB (रैंप सहित) से बदलने" के काम से जुड़ा इलेक्ट्रिकल कार्य। CNB-TDL सेक्शन के तहत BPU (Bhaupur) स्टेशन पर "दिव्यांगजनों के लिए FOB पर रैंप की व्यवस्था करने" के काम से जुड़ा इलेक्ट्रिकल कार्य। Maitha स्टेशन पर "प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 की ऊँचाई बढ़ाकर हाई-लेवल तक करने" के कार्य से संबंधित विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रू. में) : 193700.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 महीना

निविदा खुलने की तिथि : 06.05.2026, समय : 15:00 बजे
नोट : 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 793/26 (C)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

थमी सुरों की आशा

हृदयाघात के चलते करोड़ों संगीत प्रेमियों को भले ही आशा भोसले अलविदा कह गई हों लेकिन विविधता लिए सुरीले गीत सदियों तक संगीत प्रेमियों के दिल–दिमाग में गूंजते रहेंगे। 8 सितंबर 1933 को जन्मीं आशा भोसले नब्बे साल तक लगातार गाती रहीं। आशा के सुरीले गीतों ने देश–दुनिया के करोड़ों दिलों को छुआ। उनकी कर्णप्रिय धुनों वाले गीतों में जीवन का एक उल्लास रहा है। तभी नब्बेवें जन्मदिन पर लगातार तीन घंटे संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करके वे नया रिकॉर्ड दर्ज कर गईं। जीवनपर्यंत गाने का संकल्प करने वाली आशा ने हिंदी समेत तमाम भारतीय भाषाओं के गीत गाए। व्यक्तित्व की जीवटता उनके गीतों में भी शिद्दत से मौजूद रही। व्यवहार में मुखरता, गीतों में मस्ती और बेबाक हाजिरजवाबी उनका विशिष्ट गुण था। एक संगीत साधक परिवार में जन्मी आशा ने छोटी उम्र से गाना शुरू किया और अपने गायन में विविधता को लगातार विस्तार दिया। यह विश्वास कर पाना कठिन है कि एक गायिका क्लासिक गीतों से लेकर पॉप,जैज,गजल तथा कव्वाली गाने में भी पारंगत हो सकती है। निस्संदेह, बॉलीवुड व गायकी की दुनिया, उनकी जिंदादिली व गायकी के उल्लासमय अंदाज को सदैव याद रखेगी। अच्छे गीतकार, सधे संगीतकारों के गीत को अपने खास अंदाज से वे बेहतरीन व कालजयी बना देती थीं। इस तरह मोहम्मद रफी, मुकेश व किशोर कुमार के क्रम में आशाजी का जाना भारतीय गीतमाला के एक युग का अवसान भी है। लेकिन इस महान प्लेबैक सिंगर की आवाज सालों–साल तक भारतीय परिदृश्य में गूंजती रहेगी। आशा के गीतों की विशिष्टता यह भी है कि पीढ़ियों के बदलाव के बीच भी उनकी जवां आवाज हमेशा पसंद की जाती रही। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि हमने उनके चुलबुले गीतों व शोखी के अंदाज को तो देखा, लेकिन उनके जीवन के विकट संघर्ष को नजरअंदाज किया। उन्होंने अपने संगीत की विरासत वाले परिवार में लता मंगेशकर जैसे विराट वट वृक्ष तले अपना विकास किया। सफलता के पहले पायदान पर पहुंचने का उनका सपना प्रतिभा के बावजूद सफल न हो सका। लता के वर्चस्व के चलते कई प्रतिभाएं समय से पहले ही गुमनामी की दुनिया में चली गईं, लेकिन इसके बावजूद आशा ने अपनी एक अलग पहचान बनाये रखी। उसमें उनकी प्रतिभा के साथ जीवटता भी शामिल रही। उन्होंने पिता दीनानाथ मंगेशकर की संगीत विरासत को समृद्ध ही किया। 'चुनरिया' फिल्म से पार्श्व गायन की शुरुआत करने वाली आशा ने फिर मुड़कर नहीं देखा। वे लता के एकछत्र राज्य के बावजूद कई संगीतकारों की पहली पसंद बनी। उन्हें उस दौर के बड़े संगीतकारों व बड़े बैनरों के साथ काम करने के भी अवसर मिले, बावजूद इसके कि मैदान में लता के अलावा कई अन्य प्रतिस्पर्धी मौजूद थे। उनकी निजी जिंदगी का संघर्ष भी साथ–साथ चला। निजी फैसलों ने भी मंगेशकर परिवार में असहज स्थिति पैदा की। इससे उनके कैरियर की गति बाधित हुई। कालांतर 'बूट पॉलिश' व 'परिणीता' के गीतों की सफलता के बाद ओपी नैयर के सान्निध्य में उनके कैरियर को नई दिशा मिली। उनकी कामयाबी से देश परिचित है। उनके जाने से पैदा हुआ शून्य सदैव अखरता रहेगा।

नेहरू से मनमोहन सिंह तक एक ही विदेश नीति हम नहीं देश बड़ा!

शकील अख्तर

देखिए कितना मजेदार इक्वेशन बन रहा है। एक तरफ इजराइल और अरब देशों के बीच कई जंग हो चुकी हैं। दोनों एक दूसरे की शक्ल भी देखना नहीं चाहते। मगर दोनों ईरान को बरबाद होता देखना चाहते हैं। अमेरिका पर दोनों का दबाव है कि ईरान को खत्म कर दो। लेकिन ईरान ने बता दिया कि यह ख्याली पुलाव हैं। पिछले डेढ़ महीने से वह जिस तरह अमेरिका और इजराइल से लड़ा युद्ध इतिहास में वह बहादुरी की नई मिसाल है। यह कुछ नेपोलियन बोनापार्ट की याद दिलाता है कि कहां है पहाड़ (आल्पस)? वैसे ही ईरान की बहादुर जनता और नेतृत्व कह रहा है कि कौन है अमेरिका और इजराइल? जनता जब शहादत पर उतर आए तो कोई उसे हरा नहीं सकता। सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है देखना है जोर कितना बाजुए कातिल में है! भारत की आजादी के लिए जनता ऐसे ही खड़ी हुई थी। और वह अंग्रेज सरकार जिसके राज में सूरज नहीं डूबता था उसे भारत छोड़कर भागना पड़ा। और उसके बाद हर जगह से ऐसी ही दुर्दशा हुई। तत्काल बाद ही उसे स्वेज नहर पर दावा छोड़ना पड़ा। और वह मिस्र की नहर हो गई। उस समय इजराइल ब्रिटेन के साथ आया था। आज के होर्मुज स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) की तरह उस समय स्वेज नहर तेल के जहाज लाने का मुख्य जलमार्ग था। 1956 की बात है नेहरू थे। अन्तरराष्ट्रीय नेता। उनके प्रयासों से वह संकट हल हुआ था। लेकिन इस समय हम नेहरू के अन्तरराष्ट्रीय रुतबे की बात करना नहीं चाह रहे। भक्तों, गोदी मीडिया और भाजपा के नेताओं को बहुत दुख होगा। नेहरू को ही तो छोटा बताने के लिए यह सब रात–दिन काम कर रहे हैं। बाकी तो विश्व में हमारी स्थिति नगण्य बना ही दी है। बहरहाल बात हो रही थी कि जनता की बहादुरी की। तो हम बता रहे थे कि एक बार बहादुर जनता से मात खाने के बाद बड़ी से बड़ी विश्व शक्ति के भी हौसले टूट जाते हैं। भारत की जनता से हार कर ग्रेट ब्रिटेन इजराइल मिस्र से भी हारे थे। स्वेज नहर से ब्रिटेन के जहाज को टोल टैक्स देकर निकलना पड़ा था। हार का असर यही होता है। ग्रेट ब्रिटेन भारत की जनता से हारने के बाद मिस्र से भी हारा। ईरान की जनता इस बात को बखूबी समझती है। इसलिए इतनी लंबी लड़ाई, इतने नुकसान के बाद भी वह अपने नेतृत्व से नहीं कह रही कि समझौता करो। निकलो इस से। नहीं वह जानती है कि आज अमेरिका इजराइल की शर्तों पर समझौता उसे हमेशा के लिए वैसा ही गुलाम बना देगा जैसा बाकी अरब देश हैं। हम चाह नहीं रहे नेहरू का लिखना। दोस्तों को तकलीफ पहुंचती है। मगर क्या करें यह नेहरू हैं ही ऐसी चीज की सिर्फ भारत नहीं दुनिया के किसी भी उलझे हुए मुद्दे पर उनकी भूमिका याद आ जाती है। होना तो यह चाहिए था कि देश के सम्मान का ख्याल करके वर्तमान सरकार और उसके समर्थक नेहरू के महान रोल को और दुनिया के सामने पेश करते। लेकिन यहां कहानी उलटी है। नेहरू का कद छोटा करके समझते हैं कि उनका कद बढ़ा हो गया। काश ऐसा हो सकता! तो उनका कद बड़ा करने के लिए हम सब नेहरू के पीछे पड़ जाते। मगर दूसरे की लकीर छोटी करने से आप की लकीर की लंबाई बढ़ती नहीं है। वह उतनी ही रहती है।तो उस समय मिस्र में नेहरू के दोस्त अब्दुल नासिर राष्ट्रपति थे। उनके हौसले ने केवल मिस्र को नहीं सारे अरब देशों को एक बड़ी ताकत बना दिया था। मगर न नेहरू रहे, न नासिर और न ही मिस्र सहित वे अरब देश। आज अमेरिका के गुलाम बन गए हैं। इजराइल उन्हें मारता है। ईरान इजराइल से उन्हें बचाता है। मगर वे अपना नंबर एक दुश्मन ईरान को मानते हैं। और अमेरिका के थ्रू इजराइल की मदद करते हैं। सऊदी अरब युद्धविराम के खिलाफ था। वहां के शासक अमेरिका से डायरेक्ट और इजराइल से उसके माध्यम से कह रहे थे कि मिटा दो ईरान को। खतम कर दो। उसी के बाद प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने यह राक्षसी धमकी दी थी कि ईरान की सभ्यता खतम कर देंगे। उसे पाषाण युग में पहुंचा देंगे।

मगर फिर भी ईरान की जनता नहीं डरी, नहीं घबराई। अभी इस्लामाबाद में हुई बातचीत विफल है या दोनों पक्षों ने थोड़ा समय और लिया है कोई नहीं जानता। मगर युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्षधर यह समझते हैं कि बातचीत फिर होगी। युद्ध वापस शुरू नहीं होना ही बातचीत वापस होने के संकेत हैं। अमेरिका बहुत बुरी तरह फंस गया था। भारी सैनिक, लड़ाकू जहाजों और आर्थिक नुकसान तो हो ही रहा रहा था मगर सबसे बड़ी बात कि उसकी छवि एक युद्ध उन्मादी देश की बन गई थी। सामान्य शब्दों में कटखने कुत्ते, मरखने सांड की। उससे निकलना उसके लिए बहुत जरूरी था। इसलिए वह बातचीत की टेबल पर बैठा। ऐसे में ही गांधी का संदेश कारगर होता है। मगर कोई देने वाला नहीं था। जो हैं वे रात–दिन गांधी की छवि को कलंकित करते रहते हैं। नहीं तो क्या अमेरिका और ईरान बातचीत के लिए पाकिस्तान जाते?

12 साल पहले कोई सोच भी नहीं सकता था। मनमोहन सिंह की सरकार ने उसे एक कोने में लगा दिया था। मगर 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में वहां के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को बुलाकर उसका अन्तरराष्ट्रीय अकेलापन खत्म करवा दिया। और फिर जब लगा कि खाली अकेलापन खतम करवाने से काम नहीं चलेगा तो अचानक लाहौर जा पहुंचे। पाकिस्तान को पूरी मान्यता दिलवा दी। मनमोहन सिंह दस साल में एक बार भी नहीं गए थे। उनकी जन्मभूमि था। निमंत्रण था। ऐसे ही निमंत्रण पर आडवानी गए थे। जिन्ना को सर्टिफिकेट दे आए थे। मोदी ने नवाज शरीफ को दिया। नतीजा बातचीत पाकिस्तान में हुई। अब उसके सफल न होने से भक्त और गोदी मीडिया खुश हैं। मतलब अगर सफल हो जाती तो पूरी दुनिया खुश होती और ये दुखी! बहुत छोटे–छोटे दुरूख–सुख पाल रखे हैं। बातचीत पाकिस्तान में होने से कोई उसका रुतबा नहीं बढ़ गया। हुआ केवल यह कि हमारी व्यक्ति केन्द्रित अन्तरराष्ट्रीय नीति से हमारा वजन कम हो गया। मैं दोस्त, और वह मेरा दोस्त से विदेश नीति नहीं चलती। विदेश नीति में धमक आती है आंख से आंख मिलाकर बात करने से। जैसे इन्दिरा गांधी करती थीं। उस समय के अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन को चुनौती देते हुए पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। और फिर भुट्टो को भारत शिमला बुलाकर समझौता किया। नरसिम्हा राव ने 1994 में संसद के दोनों सदनों में प्रस्ताव पास करवा के दुनिया को यह संदेश दिया कि जम्मू–कश्मीर तो है ही पाक अधिकृत कश्मीर भी हमारा है। दुनिया भारत का लोहा मानती थी। क्या मजाल कि कोई कह दे कि मैं भारत के प्रधानमंत्री का राजनीतिक कैरियर खतम कर सकता हूं! भारत के प्रधानमंत्री मुझसे सर सर करके बात करते हैं। सर करके बात करने में कोई प्राब्लम नहीं है। समकक्ष लोग करते हैं। समस्या है उसे इस तरह बताने की जिससे अपना रुतबा ऊंचा और दूसरे का नीचा दिखाई दे। सर कहने के आदी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष पूछते थे हम आनरेबल भारत की प्राइमिनिस्टर इन्दिरा गांधी जी को क्या कह कर संबोधित कर सकते हैं। जब विदेश विभाग यह सवाल इन्दिरा जी के सामने लाता था ।

तो वे हंस कर कहती थीं कि कह दो कुछ भी कहें कोई फर्क नहीं पड़ता। बड़े नेताओं का यह आत्मविश्वास होता है। और वे यह मानते हैं नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक कि बड़ा होना खुद से नहीं है महान भारत के बड़े देश होने से है। यहां तो खुद को बड़ा मानते हैं। इसीलिए स्वकेन्द्रित विदेश नीति चला रहे थे। उसी का परिणाम है पाकिस्तान को बेवजह तवज्जो मिल जाना। भारत में ताकत है फिर पुनर्मुषको भव करने की। समय आएगा।

इस्लामाबाद वार्ता से निकला संदेश

पिछले 28 फरवरी से अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव–लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते–जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो ट्रंप जैसे नेताओं के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते। बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया। गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग–अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मुज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ने इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क वसूलने की शुरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह चिढ़ गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब इस्लामिक रिवोलूश्यनरी गार्ड्स कॉर्प्स को होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। हर एक बैरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरु किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके। हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है।

ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं। वहीं इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान एक अहम किरदार की तरह उभरा है। पाकिस्तान ने पहले भी दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की थी और अब वार्ता की मेज पर ईरान और अमेरिका को लाकर उसने वैश्विक समुदाय में अपनी महत्ता बना ली है।

सीमा वर्णिका की कलम से
'कवि सम्मेलन'

कवि सम्मेलन चल रहा था आयोजक महोदय ने जिन कवियों को पारिश्रमिक देकर आमंत्रित किया था वह एक के बाद एक रचना सुनाकर तालियाँ बटोर रहे थे।

अब अपना कार्यक्रम अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है अब काव्य प्रस्तुति देने के लिए मैं हॉल में बैठे लोगों को मंच पर बुलाना चाहूँगा, आयोजक माइक पर आकर बोला ।

हमारे नगर की सम्मानित कवयित्री रेखा शुक्ला जी मंच पर आए हैं और चँद पंक्तियाँ प्रस्तुत करें, आयोजक बोला।

रेखा शुक्ला जी के बाद एक अन्य नवोदित कवयित्री को मंच पर आमंत्रित किया ।

कवयित्री ने अपना काव्य पाठ शुरू ही किया था ।

अभी दो घड़ी भी नहीं बीती थी ,अचानक आयोजक अपनी कुर्सी से उठा ।

ष्हटिए– हटिए बहुत हो गया काव्य पाठ .. मंत्री जी को देर हो रही है उन्हें सम्मान करना है,ष्आयोजक कवयित्री के सामने से माइक हटाते हुए बहुत अभद्र तरीके से चिल्लाया ।

खचाखच भरे सभागार में लोग आवाक से घटनाक्रम देखते रह गये । कुछ लोगों के बीच खुसफुसाहट भी हुई ।

मंत्री जी खामोशी से तमाशा देखते रहे । अपमानित कवयित्री स्तब्ध सी आँखों में अश्रु भरे अपनी सीट पर जा बैठी ।

सभागार में सन्नाटा पसर गया। कौन बोलता.. अभी लोगों का सम्मान होना शेष था ।

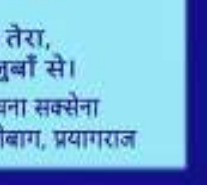

–सीमा वर्णिका,
कानपुर

मछली की कहानी, लापता वोटर और दो राष्ट्रीय नेता

टी एन अशोक

बंगाल के चुनावी मौसम में आपका स्वागत है, जहां चुनाव अभियान में राजनीति, प्रचार और सरसों के तेल में कुछ तलने

की महक घुली हुई है। रिकॉर्ड के लिए यह दर्ज होना चाहिए कि भारत के सबसे महत्वपूर्ण राज्य चुनावों में से एक का भविष्य अब, कम से कम प्रतीकात्मक रूप से, एक साधारण श्रोहूश मछली पर टिका है – बेरोजगारी पर नहीं, उद्योगीकरण पर नहीं, और निश्चित रूप से उन 75,000 करोड़ रुपये की केंद्र सरकार की परियोजनाओं पर तो बिल्कुल नहीं, जो कथित तौर पर ममता बनर्जी के दफ्तर में धूल फांक रही हैं। जैसे–जैसे 23 और 29 अप्रैल के मतदान के दिन नजदीक आ रहे हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनावी अभियान के अंतिम चरण में दो ऐसे मंझे हुए पहलवानों की तरह उतरे हैं, जिन्होंने अचानक भोज को लेकर बहस करने का फैसला कर लिया हो। बयानबाजी जोरों पर है। आरोपों की बौछार हो रही है और कोलकाता के भीड़भाड़ वाले मछली बाजारों में कहीं, एक हैरान–परेशान मछली बेचने वाला सोच रहा है कि देश के सबसे शक्तिशाली राजनेता अचानक उसकी मछली में इतनी ज़्यादा दिलचस्पी क्यों ले रहे हैं। 15 सालों में, वे आपको मछली भी नहीं दे पाए,श मोदी ने हल्दिया में एक रैली में गरजते हुए कहा। यह एक ऐसी बात थी जो सुनने में तब तक बहुत असरदार लगती है, जब तक आप उसके पीछे के तर्क को समझने की कोशिश नहीं करते। इसके निहितार्थकृ कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में बंगाल में मछली की आपूर्ति कमजोर पड़ गई हैकृ को उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी किसी अहम सूचना जैसी गंभीरता के साथ पेश किया। मोदी, जो एक ऐसी पार्टी का नेतृत्व करते हैं जो कभी–कभी भारत की बेहद विवादित बीफ बनाम ब्रिस्केट (मांस खाने से जुड़ी) बहसों में गलत पक्ष पर खड़ी पाई गई है, के बयान से ऐसा लगा कि उन्हें खान–पान से जुड़ी एक नई एकजुटता मिल गई है। बनर्जी, जो किसी और को अपनी बातों में मसाला लगाने का मौका देकर आज इस मुकाम तक नहीं पहुंची हैं, ने इस बात को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया। श्मछली तो हर बाजार में मिलती है, उन्होंने उत्तरी 24 परगना में एक रैली में पलटकर जवाब दिया। उनके अंदाज से ऐसा लग रहा था, जैसे वह किसी बहुत ही सुस्त छात्र को कोई ऐसी बात समझा रही हों, जो अपने आप में ही सच हो। महज अड़तालीस घंटों के अंदर, एक ऐसा चुनावी अभियान, जो अब तक विकास, कानून–व्यवस्था और लोकतांत्रिक वैधता जैसे मुद्दों पर लड़ा जा रहा था, बड़ी ही चालाकी से एक कहीं ज़्यादा गहरे और दिल को छूने वाले मुद्दे में बदल गया। यह बात, ध्यान देने लायक है, पूरी तरह से बेमतलब नहीं है। बंगाल का श्माछ–भातश कृ यानी मछली और चावल कृ सिर्फ ेपेट भरने का जरिया नहीं है। यह एक पूरी जीवन–गाथा है। यह वह भोजन है, जो कैलेंडर तय करता है, त्योहारों की पहचान कराता है, और जोर–शोर से यह दावा करता है कि एक बंगाली, चाहे कोई भी राजनीतिक पार्टी कुछ भी क्यों न कहे, हमेशा एक बंगाली ही रहेगा। मोदी, जो अब इस सांस्कृतिक श्पानीय में उतर रहे हैं, जिसके दोहरे अर्थ हैं, एक बहुत ही महत्वाकांक्षी काम करने की कोशिश कर रहे हैंरू बंगाल की पहचान के एक प्रतीक को उसी पार्टी के खिलाफ इस्तेमाल करना, जो लंबे समय से खुद को उस पहचान का रखवाला बताती आई है। यह कोशिश कामयाब होगी या नहीं, यह तो बाद की बात है। लेकिन अगर मछली इस चुनावी अभियान का सबसे ज़्यादा सुर्खियां बटोरने वाला विवाद है, तो श्एसआईआरश्कृ इस अभियान का सबसे ज़्यादा विस्फोटक मुद्दा है। बनर्जी ने यह आरोप लगाया है कि 90 लाख से भी ज़्यादा नामकृजो शायद पिछले मंगलवार तक इस दुनिया में मौजूद थेकृ को मतदाता सूची से हटा दिया गया है। भाजपा ने इसे चुनावी मौसम का श्नाटकश कहकर खारिज कर दिया है। चुनाव आयोग ने इस मामले की जांच का वादा किया है। वहीं, बनर्जी ने यह वादा किया है कि जब तक कोई अगला आदेश नहीं आ जाता, वह पूरे जोर–शोर से इस आरोप को दोहराती रहेंगी।

रचना सक्सेना की ग़ज़ल

सितारे झाँकते है आसमाँ से,
उन्हें मैं देखती रहती यहाँ से।

अँधेरों से भरी यह •ज़िन्दगी• है,
उजाले ढूँढ के लाऊँ कहाँ से।

तुम्हारी दासताँ को क्या कहूँ मैं,
बहुत मिलती है मेरी दासताँ से।

तुम्ही में देखती हूँ उस ख़ुदा को
है कद ऊँचा तुम्हारा आसमाँ से,

हमारा दर्द वो समझेगा कैसे?
कि जो अब है बेख़बर दर्दे-निहाँ से।

अभी बढ़ने दो यह नज़दीकियों को,
मिटेगें फासले भी दरमियाँ से।

कभी छूटे न रचना हाथ तेरा,
यही हरदम सुना उसकी ज़ुबाँ से।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग, प्रयागराज

दो हसीनाओं के बीच फंसे वरुण धवन है जवानी तो... का फर्स्ट लुक रिलीज

बीते दिनों फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की नई रिलीज डेट का एलान किया गया था। पहले जून में रिलीज होने वाली यह फिल्म अब मई के महीने में दस्तक देगी। आज मंगलवार को फिल्म का फर्स्ट लुक वीडियो सामने आया है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें एआई का इस्तेमाल किया गया है। इस पर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आई है। एआई किड्स पिता की जन्मतिथि 24 अप्रैल बताते हैं। बता दें कि वरुण धवन का जन्मदिन इसी दिन होता है। वीडियो में आगे वरुण धवन की एंट्री होती है। उनके किरदार का नाम जैस है। वे हाथों में जयमाला थामे झांकते दिख रहे हैं। इसके बाद मृणाल ठाकुर की झलक देखने को मिली है, जिनके किरदार का नाम बानी है। इसके बाद पूजा हेगड़े की एंट्री होती है और उनके किरदार का नाम प्रीत है। वरुण धवन को बानी और प्रीत दोनों के साथ इश्क फरमाते दिखाया गया है। आगे वरुण धवन की एंट्री होती है। उनके किरदार का नाम जैस है। वे हाथों में जयमाला थामे झांकते दिख रहे हैं। इसके बाद मृणाल ठाकुर की झलक देखने को मिली है, जिनके किरदार का नाम बानी है। इसके बाद पूजा हेगड़े की एंट्री होती है और उनके किरदार का नाम प्रीत है।

> “ वे हाथों में जयमाला थामे झांकते दिख रहे हैं। इसके बाद मृणाल ठाकुर की झलक देखने को मिली है, जिनके किरदार का नाम बानी है। इसके बाद पूजा हेगड़े की एंट्री होती है और उनके किरदार का नाम प्रीत है।

हेगड़े की एंट्री होती है और उनके किरदार का नाम प्रीत है। वरुण धवन को बानी और प्रीत दोनों के साथ इश्क फरमाते दिखाया गया है। फर्स्ट लुक पर नेटिजंस रिएक्ट कर रहे हैं। खासतौर पर एआई के इस्तेमाल पर रिएक्शन मजेदार हैं। कुछ लोगों को यह बहुत पसंद आया है। नेटिजन लिख रहे हैं, एआई वाले लाइक करें। वहीं, कुछ ने लिखा है, एआई का इस्तेमाल सिर्फ प्रोमो तक रहे तो बेहतर है। कुछ को फर्स्ट लुक में गोविंदा की फिल्म सैंडविच की झलक आ रही है, तो कुछ को फिल्म जुड़वा वाली। यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। 'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन वरुण धवन के पिता व दिग्गज निर्देशक डेविड धवन ने किया है। मैं तेरा हीरो और जुड़वा 2 के बाद वरुण और डेविड की पिता–पुत्र की जोड़ी की ये तीसरी फिल्म है।

छोटी और मीडियम फिल्मों को लेकर अभी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म थोड़ा हिचकिचाते हैं–रणवीर शौरी

जब हर चेहरा मासूम लगे और हर किरदार पर शक हो, वहीं से शुरू होती है असली मर्डर मिस्ट्री। जी5 पर 10 अप्रैल को रिलीज हुई फिल्म एवरीबॉडी लव्स सोहराब हांडा इसी रोमांच को अपने अंदाज में पेश करती है। फिल्म में रणवीर शौरी एक अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म से जुड़े कई किस्सों को लेकर एक्टर ने खास बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंश...

सवालः फिल्म रिलीज हो चुकी है तो रिस्पांस कैसा है?

बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है अभी तक। मुझे लगता है कि एक फ्रेशनेस के साथ ये फिल्म आई है क्यूंकि इस वक्त जो माहौल बड़ी एक्शन फिल्मों का चल रहा है एक ऐसी रिलैक्स करने वाली फिल्म आई है जिसमें थोड़ा थ्रिल भी है और थोड़ी हंसी भी है जिसे लोग काफी एन्जॉय भी कर रहे हैं और ये फीलिंग हमारे लिए बहुत अच्छी है क्यूंकि ये फिल्म भी ऐसी है जिसमें दोस्तों ने एक साथ मिलकर काम किया सबने मिलकर ये फिल्म बनाई है। और रजत कपूर की फिल्में हमेशा ही खास होती हैं। मैं चाहता हूँ कि ज़्यादा से ज़्यादा लोग देखें इसे।

सवालः ओवरआल शूटिंग एक्सपीरियंस कैसा रहा आपका?

बहुत अच्छा रहा क्यूंकि ज़्यादातर कास्ट और क्रू मेमंबर्स मेरे दोस्त थे और सबसे बड़ी बात स्क्रिप्ट बहुत अच्छी थी तो शूटिंग करने में बहुत मजा आया। एक–डेढ़ महीने हम सब लोनावला के पास एक लोकेशन पर इक्ठ्ठे रहे थे। एक ही लोकेशन पर पूरी फिल्म की शूटिंग थी। और जब हार्डवर्क के साथ ये चीजें भी हो तो काम करने में मजा आता है।

सवालः जिस तरह का कंटेंट आजकल चल रहा है तो मन में ये शक आया कि क्या ये सही टाइम है फिल्म को रिलीज करने का?

नहीं, हम तो बहुत बड़े तालाब में बहुत छोटी मछली हैं। हमारी फिल्म रिलीज हो जाए वही हम सब गनीमत समझते हैंहम बहुत शुक्रगुजार हैं कि ऐसी छोटी फिल्म को बनने और रिलीज होने का मौका मिला।

सवालः आपने फिल्मों और ओटीटी दोनों में काम किया है, तो क्या ओटीटी ने एक्टर्स को ज्यादा क्रिएटिव फ्रीडम दी है?

ओटीटी के आने से बहुत सारी चीजें बदली हैं इसे बहुत सारे लोगों को काम का थोड़ा और मौका मिला है और साथ में इंटरनेट के साथ कॉम्पिटिशन भी बढ़ता जाता है। लेकिन एक चीज है कि छोटी और मीडियम फिल्मों को लेकर अभी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म थोड़ा हिचकिचाते हैं। तो जी 5 ने जो हमारी फिल्म को टाइम दिया वही बहुत बड़ी बात है वर्ण छोटी और मीडियम फिल्मों के लिए ये कोई बहुत अच्छा टाइम नहीं है।

सवालः फिल्म के किरदार से आपका असली किरदार मेल खाता है या नहीं?

फिल्म में जिस तरह का मेरे किरदार दिखाया गया है वो बहुत अलग है मैं वैसा बिलकुल भी नहीं हूँ। ये जो किरदार है वो बहुत इंटेलेक्चुअल है , हर चीज जो इंटेलेक्चुअल लेंस से ही देखते हैं और मैं वैसा हूँ नहीं मैं ज़्यादा इंट्यूशन इंटिनस वाला आदमी हूँ। ये किरदार रियेक्ट नहीं करता , कण्ट्रोल में रहते हैं लेकिन मैं रिएक्टिव इंसान हूँ मैं थोड़ा मुंहफट हूँ। मगर हाँ कुछ कुछ चीजें हैं ऐसी जो हमारी मेल खाती है जैसे कि जिस तरह के ख्याल उनके है जिंदगी के बारे में वैसे ही मेरे भी हैं।

सवालः एक एक्टर के तौर पर आपका सबसे चौलेंजिंग फेस कौन सा रहा?

सबसे जयाद चौलेंजिंग फेस तो वही था मेरी जिंदगी का जब मैं शबिहाइंड द कैमरा से इन फ्रंट ऑफ द कैमरा आया ये बात है 1997–98 की। पहले मैं कैमरा के पीछे काम करता था फिर मैं कैमरा के आगे आया , थिएटर शुरू किया और फिर मैं एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। वो जो टाइम था जब मैं कैमरे के पीछे से कैमरे के आगे आया क्यूंकि मैं एक्टर नहीं फिल्म मेकर बनना चाहता था तो वो जो जिंदगी ने मोड़ लिया वो थोड़ा मुश्किल था। अब भी उतार चढ़ाव तो आते ही रहते हैं जिंदगी में लेकिन सबसे बढ़ा फेस मेरी जिंदगी का वो वही था।

सवालः आप फेलियर को कैसे हैंडल करते हैं?

फेलियर और काम ना होना , दोनों को मैं एक ही तरीके से देखता हूँ। जब मेरे पास काम नहीं भी होता तब भी मैं कोशिश करता हूँ कि मैं कैसे अपने काम को इम्प्रूव करूं। और फेलियर में भी मैं वही देखता हूँ की आगे कुछ और कैसे अच्छा करूँ ।

'जन नायकन' की लीक से हुआ नुकसान, भरपाई के लिए विजय कर सकते हैं एक और फिल्म, एक्टर ने मेकर्स को दिलाया भरोसा

अभिनेता विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' के ऑनलाइन लीक होने के बाद तमिलनाडु में सियासी और फिल्मी हलकों में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। रिलीज से पहले ही फिल्म के इंटरनेट पर उपलब्ध हो जाने से जहां फिल्म इंडस्ट्री में नाराजगी है, वही राजनीतिआरोप–प्रत्यारोप ने मामले को और तूल दे दिया है। फिल्म लीक की घटना पर दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज सितारों रजनीकांत, कमल हासन और सूर्या ने कड़ी निंदा की है। तीनों कलाकारों ने इसे फिल्म उद्योग के लिए गंभीर खतरा बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पायरेसी न केवल निर्माताओं को आर्थिक नुकसान पहुंचाती है, बल्कि हजारों लोगों की मेहनत पर भी पानी फेर देती है। साथ ही, उन्होंने सरकार से अपील की कि ऐसे मामलों में जवाबदेही तय की जाए और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत तंत्र विकसित किया जाए। वहीं अभिनेता विजय देवरकोंडा की फिल्म रुडियर कॉमरेडश भी रिलीज के बाद लीक हो गई थी। इससे फिल्म के कनेक्शन पर बड़ा प्रभाव पड़ा था। अब उन्होंने थलपति विजय की फिल्म जय नायकन के लीक होने पर दुख और गुस्सा दोनों जाहिर किया है। एच. विनोथ के निर्देशन में बनी 'जन नायकन' को खास इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि इसे अभिनेता विजय की राजनीति में औपचारिक एंट्री से पहले उनकी आखिरी फिल्म बताया जा रहा था। ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों और प्रशंसकों के बीच जबरदस्त उत्साह था। लेकिन रिलीज से पहले ही फिल्म के लीक हो जाने से इसकी कमाई और प्रभाव पर बड़ा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इस पूरे मामले ने तब राजनीतिक रंग ले लिया, जब तमिलगा वेत्री कषगम के नेता आधव अर्जुन ने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से जुड़े केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के जरिए फिल्म को लीक कराया। आधव अर्जुन ने यह भी आरोप लगाया कि मुरुगन ने तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित किया कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज से पहले ही ऑनलाइन उपलब्ध हो जाए। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत सार्वजनिक रूप से पेश नहीं किया गया है। टीवीके के आरोपों पर तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने फिल्म लीक की घटना की निंदा करते हुए इसे पूरी तरह अवैध करार दिया, लेकिन भाजपा को इसमें घसीटे जाने पर सवाल उठाए। अन्नामलाई ने कहा, "इस मामले में भाजपा को क्यों घसीटा जा रहा है? फिल्म के रिलीज या लीक होने में पार्टी की कोई भूमिका नहीं है। यह कानून–व्यवस्था का मामला है और इसकी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना पुलिस की जिम्मेदारी है।" उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे पायरेटेड कंटेंट का बहिष्कार करें और फिल्म को केवल सिनेमाघरों में ही देखें। वहीं, एक आधिकारिक सूत्र ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। सूत्र के अनुसार, सेंसर बोर्ड की प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और तकनीकी रूप से संरक्षित होती है। उन्होंने बताया कि सीबीएफसी द्वारा प्रमाणन के लिए प्रस्तुत सभी फिल्मों के लिए 'केडीएम' सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है, जो पासवर्ड–संरक्षित होता है। इस प्रणाली में बिना अनुमति के किसी भी व्यक्ति के लिए फिल्म की सामग्री तक पहुंचना संभव नहीं है। सूत्र ने टीवीके के आरोपों को "निराधार और भ्रामक" बताया। इस घटना ने एक बार फिर फिल्म इंडस्ट्री में पायरेसी के बढ़ते खतरे को उजागर कर दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और टेलीग्राम जैसे माध्यमों के जरिए फिल्मों का लीक होना अब आम होता जा रहा है, जिससे निर्माताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल तकनीकी उपाय ही नहीं, बल्कि सख्त कानूनी कार्रवाई और जन जागरूकता भी जरूरी है, ताकि इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। फिलहाल, 'जन नायकन' लीक मामले की जांच की मांग तेज हो गई है। यह देखना अहम होगा कि जांच एजेंसियां इस मामले में क्या निष्कर्ष निकालती हैं और क्या वास्तव में किसी साजिश के तहत फिल्म लीक की गई या यह केवल पायरेसी का एक और मामला है। एक ओर फिल्म इंडस्ट्री सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है, तो दूसरी ओर राजनीतिक बयानबाजी ने इस विवाद को और जटिल बना दिया है। आने वाले दिनों में यह मामला सिनेमा और राजनीतिकृदोनों ही मोर्चों पर चर्चा का केंद्र बना रह सकता है।

शादी के 1 महीने बाद गायब हुई मोनालीसा, पति की तलाश ने खोले कई राज... सामने आई फिल्मी कहानी

प्रयागराज महाकुंभ में रुद्राक्ष बेचते हुए अपनी नीली आंखों और सादगी से करोड़ों दिलों को जीतने वाली मोनालीसा भोंसले आज एक गंभीर कानूनी और व्यक्तिगत संकट के केंद्र में हैं। इंटरनेट सनसनी बनने से लेकर लापता होने तक का उनका सफर किसी फिल्मी थ्रिलर जैसा नजर आ रहा है। शादी के महज एक महीने के भीतर खबर आई है कि डवदंसपें अचानक लापता हो गई हैं। उनके पति, फरमान खान, ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर इस बात की पुष्टि की है। फरमान वर्तमान में राजस्थान के अजमेर और जोधपुर जैसे शहरों में उनकी तलाश कर रहे हैं और उन्होंने जनता से उन्हें खोजने में मदद की अपील की है। मोनालिसा की कहानी में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की जांच में दावा किया गया कि वह नाबालिग हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उनकी उम्र से संबंधित दस्तावेज और बर्थ सर्टिफिकेट फर्जी पाए गए हैं। पॉक्सो एक्ट मोनालिसा के नाबालिग होने के दावे के बाद, उनके पति फरमान खान के खिलाफ महेश्वर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। कानून की नजर में यह विवाह अब एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आ गया है। लापता होने से पहले मोनालिसा ने फिल्म जगत के जाने–माने निर्देशक सनोज मिश्रा पर यौन उत्पीड़न और प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, निर्देशक ने इन आरोपों को आधारहीन बताते हुए दावा किया था कि मोनालिसा को किसी के द्वारा ब्रेनवॉश किया गया है।

स्वीट कॉर्न डाल कर बनाएं सूजी का टेस्टी चीला, स्वाद में लगता है जबरदस्त

सुबह के नाशते या फिर शाम के स्नैक्स में सूजी की मदद से टेस्टी रेसिपी बनाई जाती हैं। इससे बनने वाले चीला का स्वाद और सेहत दोनों के लिए फायदेमंद होता है। वैसे तो चीला बहुत आसानी से तैयार हो जाता है, लेकिन इसे बनाने की हर किसी की अपनी रेसिपी है। यहां हम बता रहे हैं सब्जियों और स्वीट कॉर्न से बनने वाले चीले की रेसिपी।

इसे बनाने के लिए आपको चाहिए...

सूजी
दही
जीरा
सरसों के दाने
प्याज बारीक कटा हुआ
शिमला मिर्च
पीली शिमला मिर्च
लाल शिमला मिर्च
स्वीट कॉर्न
हरी मिर्च बारीक कटी हुई
अदरक लहसुन का पेस्ट
नमक स्वाद अनुसार
लाल मिर्च के गुच्छे
लाल मिर्च पाउडर
काली मिर्च पाउडर
जीरा पाउडर
पनीर
फ्रेश धनिया
फ्रूट सॉल्ट

कैसे बनाएं

– इसे बनाने के लिए एक बड़े बाउल में सूजी, दही और पानी डालें और अब अच्छी तरह मिला लें और 10 मिनट के लिए रख दें। अब सब्जी और पनीर का मिश्रण बनाने के लिए एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई, जीरा डालें और उन्हें चटकने दें।

– अब प्याज डालकर 2–3 मिनट तक हल्का सुनहरा होने तक पकाएं। फिर हरी मिर्च और अदरक लहसुन का पेस्ट डालकर एक मिनट के लिए पकाएं। अब हरी शिमला मिर्च, पीली और लाल शिमला मिर्च डालें, इसी के साथ स्वीट कॉर्न भी डाल दें। एक या दो मिनट के लिए तेज आंच पर उन्हें भूनें।

– मिश्रण में नमक, चिली फ्लैक्स, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर डालें और अच्छी तरह मिलाएं। कद्दूकस किया हुआ पनीर डालें और तब तक मिलाएं जब तक सब कुछ अच्छी तरह से मिल न जाए।

– पनीर का मिश्रण तैयार है, इसे तैयार सूजी के मिश्रण में डालें। उसी कटोरे में थोड़ा हरा धनिया, नमक और पानी डालें। तब तक मिलाएं जब तक यह एक स्मूद बैटर न बन जाए।

– एंड में फ्रूट सॉल्ट डालें और फिर से मिलाएं। अब एक पैन में तेल डालकर उसमें एक बड़ा चम्मच मिश्रण डालें। इसे ढक्कन से ढक दें और दोनों तरफ से क्रिस्पी होने तक पकाएं।

– चीला तैयार है इसे सॉस या चटनी के साथ सर्व करें।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार–बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति (मिर्गी) या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार–बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार–बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।
ज्यादा काम या थकान
बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार–बार जम्हाई आना
चक्कर आना
कमजोरी महसूस होना
ध्यान लगाने में परेशानी
सोचने–समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार–बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे–छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

वर्किंग मदर्स का काम आसान करेंगी ये कुकिंग टिप्स, मिनटों में तैयार हो जाएगा खाना

महिलाओं का ज्यादातर समय किचन में ही निकलता है। खासकर वर्किंग मदर्स के लिए घर और ऑफिस संभालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है क्योंकि बच्चे आए दिन नई–नई चीजें खाने की जिद्द करते हैं। कई बार तो सबकी जिद्द पूरी करते–करते मदर्स का सारा समय ही किचन में बीत जाता है जिसके चलते वह खुद के लिए भी समय नहीं निकाल पाती। ऐसे में अगर आप भी वर्किंग मदर्स हैं तो आज आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जो आपका काम और भी आसान कर देंगे। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में....

पहले ही कर लें सारी तैयारी

सुबह आपको ऑफिस में ज्यादा देर न हो इसके लिए आप पहले ही सुबह खाने की तैयार करके रख लें। आप प्याज टमाटर को पहले काटकर उनका मसाला बनाकर रख सकती हैं। इसके अलावा अदरक और लहसुन को छीलकर इनका पेस्ट तैयार करके रख लें। इससे आपको खाना बनाने में भी समय नहीं लगेगा और आपका काफी समय भी बच जाएगा।

जल्दी है तो बनाएं ये चीजें

कई बार सुबह समझ नहीं आता कि ऐसा क्या बनाएं जो जल्दी बन जाए। ऐसे में आप रेडी टू ईट वाली चीजें तैयार कर सकते हैं। सेवईं, पोहा, इडली, दलिया जैसी चीजों को आप 10 मिनट में तैयार कर सकते हैं। इससे आपका काम भी आसान होगा और बच्चे भी खाना चाव से खा लेंगे।

सब्जियां काटकर कर लें स्टोर

अगले दिन जो सब्जी आप बनाने वाली हैं उसे काटकर एक एयरटाइट कंटनेर में स्टोर करके रख लें। इसके अलावा साथ–साथ में किचन काउंटर भी साफ करते रहे। इसके अलावा हफ्ते में एक बार फ्री होकर फ्रिज साफ करें इससे आपकी सफाई भी हो जाएगी और आपका समय भी बचेगा।

लें फैमिली मेंबर्स की मदद

कई बार सारा दिन की थकान के बाद खाना बनाना थोड़ा मुश्किल लगता है ऐसे में आप अफने परिवार वालों की मदद ले सकती हैं। बच्चों से छोटे मोटे काम करवाकर और अपने पति से सब्जियां छिलवाने में मदद लेकर आप उनका काम आसान कर सकती हैं।

इंस्टेट पॉट आएगा काम

बदलते युग के साथ नई–नई टैकनीक्स भी आई हैं ऐसे में जिनके जरिए आप अपना काम और भी आसान कर सकती हैं। इससे आपका समय भी बचेगा और आपका काम भी आसान होगा। इंस्टेंट पॉट में आप कोई भी चीज तैयार कर सकती हैं। इसका फायदा यह है कि इसमें कोई भी चीज को पकने के लिए रख दें फिर यह पकती रहेगी और आप इतने समय में कोई और भी काम कर सकती हैं। इसके अलावा इसमें बनी रेसिपीज बहुत स्वादिष्ट भी होती हैं जिसे आपके बच्चे काफी स्वाद से खा लेंगे।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक "पोषण का खजाना" माना गया है। ये छोटे–छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है।तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

संक्षिप्त

स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देगी सरकार, जारी करेगी 10,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सरकार अब 10,000 करोड़ रुपये के साथ स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 की शुरुआत करने जा रही है। यह कोष प्रौद्योगिकी, प्रारंभिक विकास चरण और नवाचार आधारित विनिर्माण स्टार्टअप का समर्थन के लिए है। सरकार ने इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसका उद्देश्य देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए उद्यम और विकास पूंजी जुटाना है। इसके लिए अनुभवी लोगों को लेकर उद्यम पूंजी निवेश समिति बनाएगा। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग इस समिति की संरचना और संचालन संबंधी दिशा–निर्देश जारी करेगा। योजना के अमल के लिए मजबूत निगरानी और निरीक्षण तंत्र भी बनेगा। इसमें सरकार और संस्थागत निवेशकों द्वारा सह–निवेश के प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। यह योजना देश की आर्थिक दृढ़ता को मजबूत करने, विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने, उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियों का सृजन करने और भारत को एक वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने में योगदान देगी। पश्चिमी एशिया संकट के चलते ऊर्जा क्षेत्र में आई परेशानियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है। इसके तहत पीएम ई–ड्राइव योजना के तहत तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहन यानी ई–रिक्शा, ई–कार्ट आदि के लिए सब्सिडी की समय सीमा 31 मार्च, 2028 तक बढ़ा दी गई है। इसी तरह, पंजीकृत दुपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए के लिए सब्सिडी की आखिरी तिथि 31 जुलाई, 2026 की गई है। भारी उद्योग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हनीफ कुरैशी ने अंतर मंत्रालयी ब्रीफिंग में बताया कि सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और अपनाने को बढ़ावा दे रही है। यह केवल ऊर्जा सुरक्षा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि पीएम ई–ड्राइव योजना के तहत तिपहिया रिक्शा के लिए सब्सिडी मार्च 2026 तक थी, अब इसे दो साल बढ़ाकर मार्च 2028 तक कर दिया गया है। इसी तरह इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए लिए सब्सिडी 31 जुलाई तक कर दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति शृंखला में आई समस्याओं को देखते हुए ट्रकों और बसों के लिए चरणबद्ध निर्माण कार्यक्रम दिशानिर्देशों में छह महीने की छूट दी गई है।

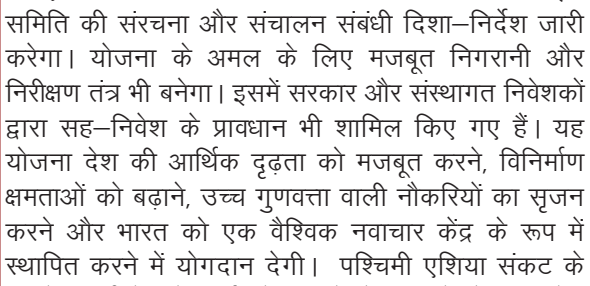

अमेरिका–ईरान वार्ता विफल होने से सर्राफा बाजार में गिरावट, चांदी 1800 टूटी, सोना भी कमजोर

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में हुई युद्धविराम वार्ता के किसी भी समझौते तक पहुंचने में विफल रहने का सीधा असर सोमवार को घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजारों पर दिखाई दिया। कमजोर वैश्विक संकेतों और भू–राजनीतिक अनिश्चितता के कारण, सोमवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में कीमती धातुओं में बिकवाली और मुनाफावसूली का भारी दबाव देखा गया, जिससे सोने और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच चांदी की कीमतों में 1,800 रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार के 2,47,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर की तुलना में सोमवार को चांदी करीब 1 प्रतिशत (1,800 रुपये) गिरकर 2,45,200 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने बताया कि सप्ताहांत में अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर हुई बातचीत बिना किसी नतीजे के समाप्त होने के बाद सोमवार को कीमती धातुएं गिरावट के साथ खुलीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बातचीत में आई इस रुकावट ने बाजार की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जिससे अमेरिकी डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में उछाल को समर्थन मिला है। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी चिंताएं सर्राफा बाजार पर हावी हैं। एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी वीपी रिसर्च एनालिस्ट, जतिन त्रिवेदी के अनुसार, ऐसी खबरें हैं कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने के लिए वहां सैनिकों की तैनाती और इस मार्ग को 100 प्रतिशत बंद करने पर विचार कर सकता है। इससे इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहने और कच्चे तेल की कीमतों के ऊंचे स्तर पर बने रहने की चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसके कारण सोने में मुनाफावसूली देखी गई। हालांकि, शुरुआती गिरावट के बाद कीमतों में कुछ सुधार भी देखा गया। बाजार द्वारा तनाव बढ़ने और इसके कम होने की संभावित स्थितियों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के चलते सोने की कीमतें वापस 4,700 डॉलर के पार चली गईं। जतिन त्रिवेदी का मानना है कि चूंकि भू–राजनीतिक अनिश्चितता बाजार की धारणा पर हावी है, इसलिए बाजार में अस्थिरता लगातार उच्च स्तर पर बनी हुई है। निवेशकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर जयंती के अवसर पर मंगलवार को सर्राफा बाजार बंद रहेंगे। आगे बाजार की दिशा पूरी तरह से वैश्विक तनाव और डॉलर की चाल पर निर्भर करेगी।

क्या है गंदी बात फेम अभिनेत्री और चहल का क्यूट कनेक्शन?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। वजह बनी हैं ओटीटी एक्ट्रेस तानिया चटर्जी, जिन्होंने एक वायरल वीडियो में दावा किया कि चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर क्यूट लिखा था। इस छोटे से कथित मैसेज ने देखते ही देखते बड़ा विवाद खड़ा कर दिया और इंटरनेट पर बहस छिड़ गई है। तानिया चटर्जी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक उभरती हुई एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने खास तौर पर वेब सीरीज श्गंदी बातश से पहचान बनाई। अपने बोल्ड किरदारों और सोशल मीडिया एक्टिविटी के जरिए उन्होंने अच्छी–खासी फैन फॉलोइंग बनाई है। इंस्टाग्राम पर उनकी मौजूदगी काफी मजबूत है और वह अक्सर अपने वीडियोज और पोस्ट्स से चर्चा में रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। तानिया ने इस पूरे मामले को ज्यादा तूल देने से इनकार किया। उन्होंने कहा, क्यूट कहना एक सामान्य कॉम्प्लिमेंट है, इसमें कुछ भी खास या गलत नहीं है। यह एक सामान्य सोशल मीडिया इंटरैक्शन था। उन्होंने यह भी बताया कि इस मैसेज से पहले उनका चहल से कोई संपर्क या मुलाकात नहीं हुई थी। तानिया ने पैपराजी के सामने चहल का मैसेज भी दिखाया, जो वायरल हो गया। इस मामले ने एक बड़ी बहस को जन्म दे दिया है कि क्या किसी सेलिब्रिटी के प्राइवेट मैसेज को सार्वजनिक करना सही है? कई लोगों का मानना है कि भले ही मैसेज सामान्य था, लेकिन निजी बातचीत को सार्वजनिक करना नैतिक रूप से सही नहीं है। वहीं कुछ लोग इसे एक सामान्य और हल्का–फुल्का मामला मान रहे हैं। इस पूरे विवाद पर सोशल मीडिया यूजर्स दो हिस्सों में बंटे नजर आ रहे हैं। एक तरफ कुछ लोग युजवेंद्र चहल की आलोचना कर रहे हैं और इसे उनके फोकस से जोड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कई फैंस उनके समर्थन में उतर आए हैं और कह रहे हैं कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। श्इंस्टाग्राम प्रीमियर लीगश जैसे मजाकिया ट्रेंड भी सामने आए, जिससे यह साफ है कि डिजिटल दुनिया में छोटी बात भी बड़ा मुद्दा बन जाती है। हाल के समय में चहल मैदान पर कम और निजी जिंदगी को लेकर ज्यादा चर्चा में रहे हैं। धनश्री वर्मा से अलगाव की खबरों के बाद अब यह नया विवाद जुड़ गया है, जिससे उनकी छवि पर असर पड़ता दिख रहा है। इसके बाद उनका नाम आरजे महविश से भी जुड़ा था। हालांकि, अब ये दोनों भी कहीं साथ नहीं दिखते। ऐसे में अब चहल एक नए विवाद में फंस गए हैं। खासकर आईपीएल के दौरान इस तरह की चर्चाएं उनके फॉर्म और फोकस को लेकर सवाल खड़े कर रही हैं। इस पूरे मामले पर चहल की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। उनकी चुप्पी ने इस विवाद को और हवा दे दी है, क्योंकि सोशल मीडिया पर लोग लगातार कयास लगा रहे हैं और चर्चा थमने का नाम नहीं ले रही। इसी बीच तानिया के इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट और वायरल हो रहा है, जिसमें तानिया ने दावा किया है कि क्यूट वाला मैसेज वायरल होने के बाद चहल की पीआर टीम ने वीडियो और मैसेज डिलीट करने को कहा है। यह एक सामान्य बातचीत थी। मैं पैपराजी से आईपीएल के बारे में बात कर रही थी। मुझे यह खेल बहुत पसंद है और मैं इसे अच्छे से समझती हूं, क्योंकि मेरे पिता ने मुझे बचपन से क्रिकेट सिखाया है। तो जब पैप्स मुझे शूट कर रहे थे, हम आईपीएल को लेकर काफी बातें कर रहे थे, जैसे क्या मैं इस साल आईपीएल फॉलो कर रही हूं, मेरा पसंदीदा खिलाड़ी कौन है, ठीक वैसे ही जैसे दोस्त आपस में बात करते हैं। मैंने जवाब दिया कि श्रेयस अय्यर मेरे पसंदीदा हैं और मुझे वह क्यूट लगते हैं, लेकिन मैं किसी और क्रिकेटर की भी पसंद हो सकती हूं। इसी तरह बातचीत में युजवेंद्र चहल का जिक्र आया। तानिया ने कहा, श्जब पैप्स ने पूछा कि आपको कैसे पता कि चहल आपको क्यूट कहते हैं, क्योंकि ऐसा तो कोई भी कह सकता है, तब मैंने उन्हें मैसेज दिखाए, जहां चहल ने मेरी कुछ स्टोरीज पर क्यूट लिखा था। मेरे पास सबूत था और मैं बिना सबूत के कोई दावा नहीं करती। दिलचस्प बात यह है कि जब चहल ने क्यूट लिखा, तब मैंने तुरंत नहीं देखा था, मुझे यह बाद में पता चला। तानिया ने बताया, मुझे उनकी (चहल की) पीआर टीम से मैसेज आया कि वीडियो डिलीट कर दूं। मैं सोच में पड़ गई कि क्यों, क्योंकि यह सच है और उन्होंने कुछ भी गलत या शर्मनाक नहीं कहा है, है न? जाहिर है, चहल ने ही अपनी तरफ से मुझसे संपर्क किया था और उन्होंने सिर्फ एक बार नहीं, बल्कि दो–तीन बार मैसेज किया। लेकिन सच कहूं तो मैंने शुरुआत में इस पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि मुझे नहीं पता था कि कौन सा क्रिकेटर जवाब दे रहा है और मैं अपने काम में व्यस्त थी। लेकिन जब मैंने देखा, तब समझ आया कि हां, चहल एक लोकप्रिय क्रिकेटर हैं और उन्होंने अपने करियर में काफी कुछ हासिल किया है।

आईपीएल डेब्यू पर बेटे की सफलता से भावुक हुए पिता, मैकग्रा कनेक्शन ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली,एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के मैच में धमाल मचा दिया। अपने आईपीएल करियर का पहला ओवर डालने आए प्रफुल्ल ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट झटक कर राजस्थान की पारी लड़खड़ा दी थी। सनराइजर्स हैदराबाद को मिली जीत में प्रफुल्ल हिंगे का योगदान सबसे अहम रहा जिन्होंने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट लिए। प्रफुल्ल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच से आईपीएल में डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें उस मैच में गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला था क्योंकि वह इम्पैक्ट प्लेयर की लिस्ट में थे और मैदान पर नहीं उतरे थे। इस लिहाज से प्रफुल्ल का राजस्थान के खिलाफ मैच आईपीएल करियर का डेब्यू मुकाबला रहा। प्रफुल्ल अपने डेब्यू मैच में ही जलवा बिखेरने में सफल रहे और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। प्रफुल्ल की सफलता पर उनके पिता प्रकाश हिंगे खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं, उनके बेटे प्रफुल्ल की उपलब्धि का जश्न मनाते समय वह अपने शब्दों के चयन और उत्साह की अभिव्यक्ति में बहुत संयम बरतते हैं। दरअसल हिंगे परिवार को यह भी नहीं पता था कि उनका बेटा सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगा या नहीं। अकाउंटेंट के पद पर काम कर चुके प्रकाश ने कहा, हमें पता था कि इम्पैक्ट प्लेयर्स की सूची में होने के कारण उसे पंजाब के खिलाफ खेलना था। हम उससे कभी नहीं पूछते कि वह खेल रहा है या नहीं। वह सोने से पहले हर दिन रात 10 बजे फोन करता है। हमारे बीच बस सामान्य बातचीत होती है जैसे खाना खाया। कल जब मैच का

प्रसारण शुरू हुआ तो हमने टीवी पर देखा कि वह डेब्यू करेगा, इसलिए हम खुश थे। नागपुर के रहने वाले प्रकाश ने उस समय को याद किया जब उन्होंने अपने बेटे प्रफुल्ल की क्रिकेट में रुचि को देखते हुए उसे जिमखाना क्लब में दाखिला दिलाया था।

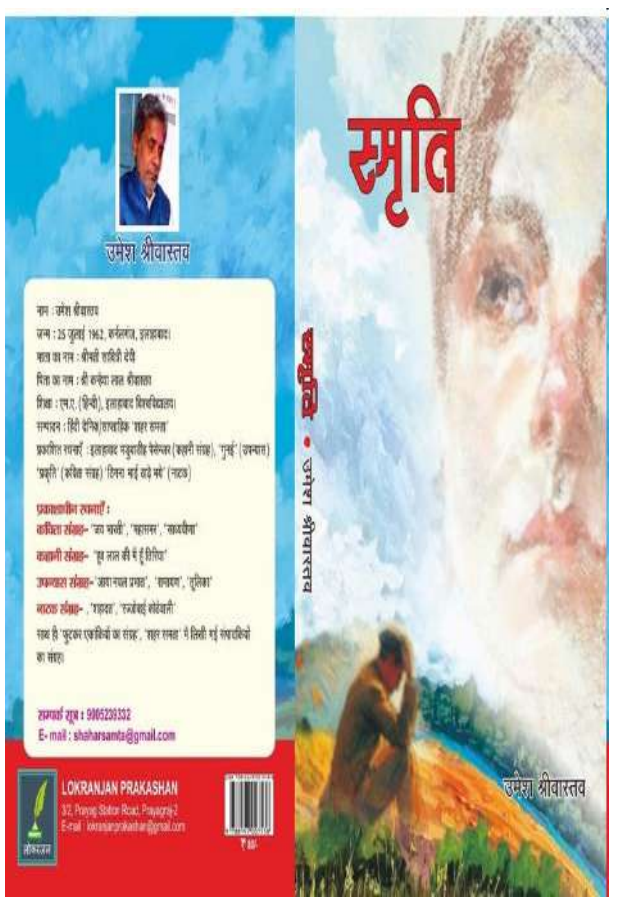

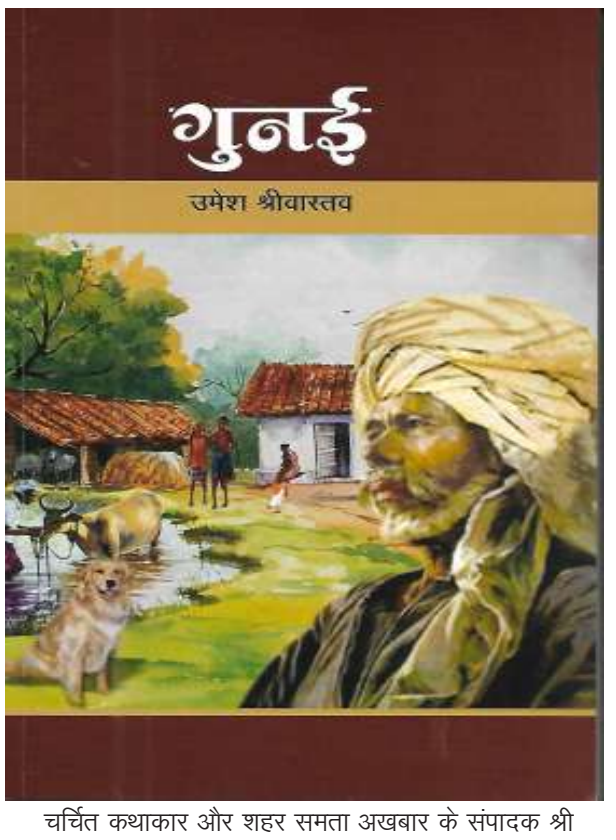

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

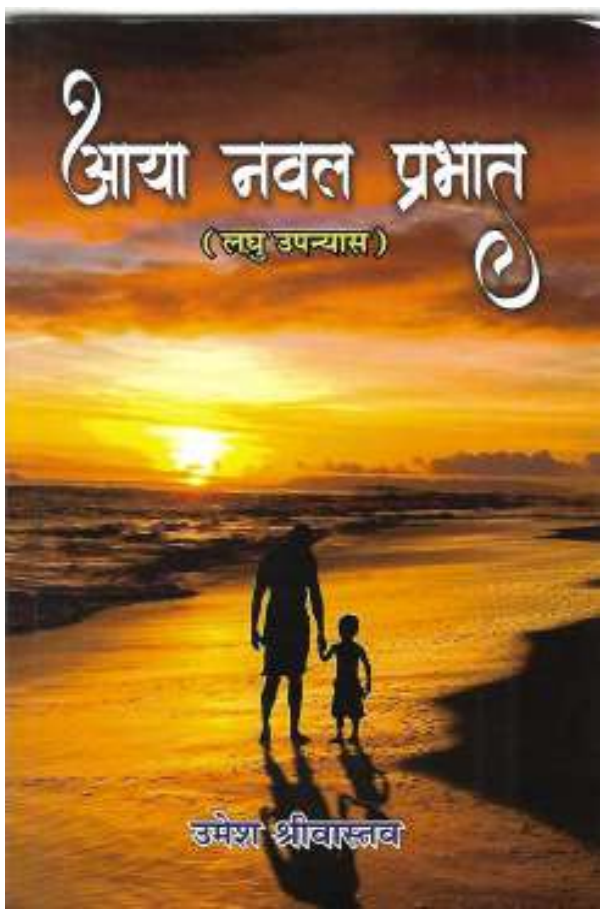

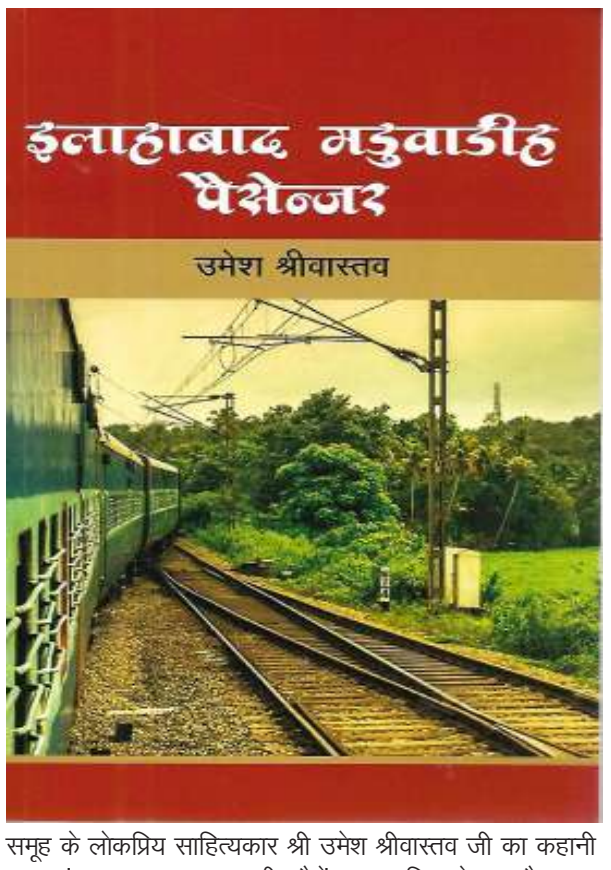

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

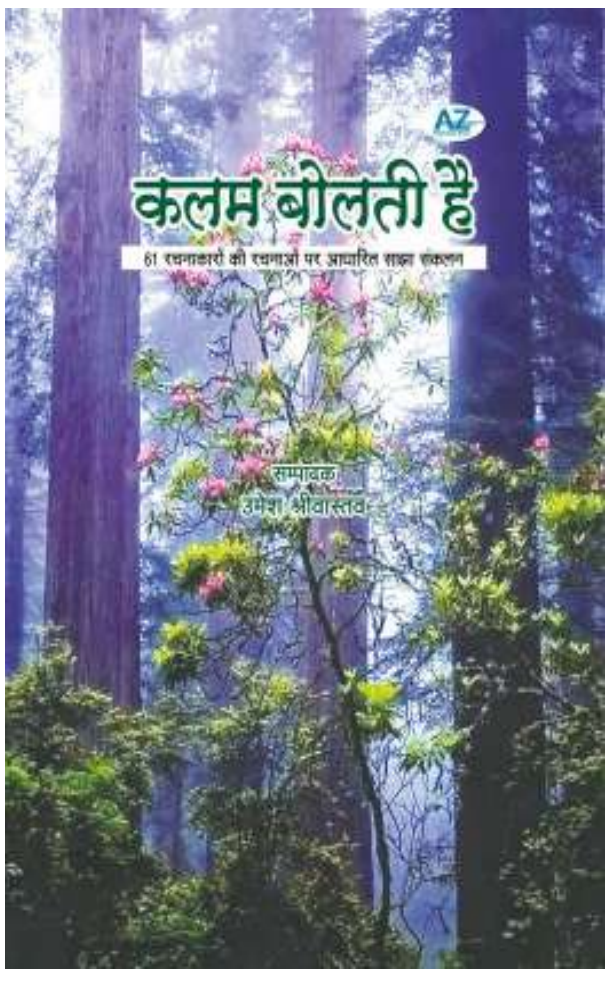

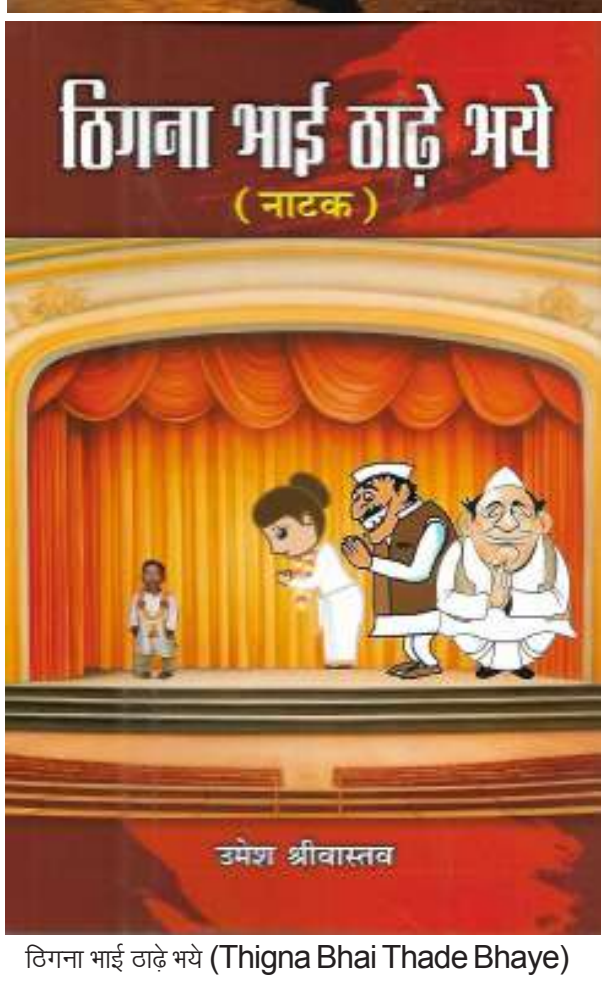

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका और इंडोनेशिया में रक्षा सहयोग साझेदारी शुरू, द्विपक्षीय सैन्य संबंध मजबूत करने की पहल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने सोमवार को पेंटागन में इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री शफ्री शमसुद्दीन का स्वागत किया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को

मजबूत करने के उद्देश्य से एक प्रमुख रक्षा सहयोग साझेदारी शुरू करने की घोषणा की। यह नई रूपरेखा हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने पर केंद्रित है। दोनों के बीच सालान 170 से अधिक सैन्य अभ्यास हेगसेथ ने कहा कि यह यात्रा इंडोनेशिया के साथ अमेरिका के बढ़ते सुरक्षा संबंधों के महत्व को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि दोनों देश सालाना 170 से अधिक सैन्य अभ्यास करते हैं। हेगसेथ ने इस साझेदारी को सुरक्षा संबंधों की ताकत और क्षमता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, यह क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करेगा और शांति के प्रति साझा प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा। शमसुद्दीन ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, हम आपसी सम्मान और लाभ के आधार पर अपने राष्ट्रीय हितों के मूल्य को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। दोनों नेताओं ने इस साझेदारी को भविष्य के सहयोग के लिए एक नई शुरुआत बताया। साझेदारी के मुख्य स्तंभ यह समझौता तीन मूलभूत स्तंभों पर आधारित है। इनमें सैन्य संगठन और क्षमता निर्माण शामिल हैं। प्रशिक्षण और पेशेवर सैन्य शिक्षा इसका दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है। अभ्यास और परिचालन सहयोग भी इस साझेदारी का एक प्रमुख हिस्सा है। भविष्य की पहल और सहयोग साझेदारी में उन्नत पहलों का पता लगाने की योजना भी शामिल है। इसमें असममित क्षमताओं का सह–विकास और अगली पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। दोनों पक्षों ने संयुक्त विशेष बलों के प्रशिक्षण को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। हेगसेथ ने द्वितीय विश्व युद्ध के अमेरिकी सैनिकों के अवशेषों की बरामदगी में इंडोनेशिया की सहायता के लिए आभार व्यक्त किया।

'खतरनाक नतीजे होंगे': होर्मुज में नाकेबंदी को ईरान ने बताया उकसावे की कार्रवाई, रूस से बातचीत में और क्या कहा?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान अराघची ने अमेरिका की उकसावे वाली कार्रवाइयों को वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरनाक नतीजे देने वाला बताया। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका–ईरान के बीच हाल ही में इस्लामाबाद में शांति वार्ता हुई थी। ईरानी विदेश मंत्रालय के अनुसार अराघची ने युद्धविराम के एलान और उसके बाद इस्लामाबाद में हुई ईरान–अमेरिका शांति वार्ता (11–12 अप्रैल) के बाद की क्षेत्रीय घटनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी उकसावे वाली कार्रवाइयों के क्षेत्रीय और वैश्विक शांति–सुरक्षा के लिए खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। रूस बोला– लेबनान पर भी लागू होता है समझौता वहीं, रूस के विदेश मंत्रालय ने बताया कि लावरोव ने ईरान के दो सप्ताह के युद्धविराम का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि मॉस्को का मानना है कि ये समझौते लेबनान पर भी लागू होते हैं। मंत्रालय के अनुसार, लावरोव ने यह भी कहा कि अमेरिका–इस्राइल की बेवजह आक्रामकता के नतीजों को दूर करने के लिए समाधान खोजने में रूस मदद करने को तैयार है। रूसी विदेश मंत्रालय के आधिकारिक एक्स पोस्ट के अनुसार लावरोव ने फिर से सशस्त्र टकराव के छिड़ने की संभावना पर इसे रोकने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस संकट को हल करने में सहायता के लिए रूस की अटूट तत्परता की पुष्टि की। ईरान की नाकेबंदी में जुटा अमेरिका इस बीच एक अमेरिकी नौसेना ने फारस की खाड़ी में कम से कम 15 युद्धपोत तैनात किए हैं। इनमें विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और 11 विध्वंसक युद्धपोत शामिल हैं। ये युद्धपोत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेशों के बाद ईरान के बंदरगाहों की समुद्री नाकाबंदी में संभावित रूप से भाग ले सकते हैं।

इस्लामाबाद असफल तो अब जिनेवा में हो सकती है अगली बैठक, दावा- तैयारी में जुटे अमेरिका-ईरान

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के चलते संकट गहराता जा रहा है। बीते दिनों इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के असफल होने के बाद हालात और अधिक जटिल हो गए हैं, जिससे वैश्विक चिंता बढ़ गई है। हालांकि अब एक बार फिर दोनों देशों के बीच नई बातचीत की संभावना जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछली विफलता के बावजूद कूटनीतिक चैनल सक्रिय हैं और अगली शांति वार्ता की तैयारी तेज हो गई है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह नया प्रयास तनाव को कम कर पाएगा या टकराव और बढ़ेगा? रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों देश इस हफ्ते के अंत तक फिर से आमने–सामने बैठ सकते हैं। यह बातचीत उस दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम (सीजफायर) से पहले हो सकती है, जो 21 अप्रैल को खत्म होने वाला है।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगली बातचीत के लिए जिनेवा को संभावित जगह माना जा रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

अमेरिका में दो सांसदों ने दिया इस्तीफा, ईरान युद्ध नहीं ये है इसके पीछे की वजह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के दो सदस्य दुर्व्यवहार के आरोपों के चलते निष्कासन का सामना कर रहे। उन्होंने अब अपने इस्तीफे की घोषणा की है। कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए भी चुनाव लड़ रहे डेमोक्रेट एरिक स्वॉलवेल ने सोमवार को एक्स पर घोषणा किया कि वह कांग्रेस से इस्तीफा दे रहे हैं, हालांकि उन्होंने एक विरोधाभासी बयान देते हुए जोर देकर कहा कि आरोप झूठे थे, लेकिन साथ ही उन्होंने निर्णय लेने में हुई गलतियों के लिए खेद भी व्यक्त किया। हर चीज का सही समय होता है वहीं, रिपब्लिकन टोनी गोंजालेस, जिन्होंने एक कर्मचारी द्वारा आत्महत्या करने के बाद इस्तीफा देने की मांगों का विरोध किया था, जिस पर आरोप था कि उन्होंने उसे जबरन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था, उन्होंने भी एक रहस्यमय वाक्य के साथ अपने इस्तीफे की घोषणा की, श्हर चीज का एक समय होता है, और भगवान ने हम सभी के लिए एक योजना बनाई हैश। स्वॉलवेल न्यूयॉर्क शहर में एक आपराधिक जांच का सामना कर रहे हैं, जहां उनके खिलाफ आरोप लगाने वाली चार महिलाओं में से एक ने कहा कि उन्होंने शहर के एक होटल में उसके साथ उत्पीड़न किया था। अफेयर होने का बात स्वीकार किया अन्य तीन महिलाओं ने स्वॉलवेल पर दुर्व्यवहार और उत्पीड़न का आरोप लगाया। बता दें कि वह विवाहित है और तीन बच्चों का पिता है। सदन की आचार समिति ने कहा कि वह उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच कर रही है। सदन की एक रिपब्लिकन सदस्य ने कहा है कि वह उन्हें निष्कासित करने के लिए सदन में एक प्रस्ताव लाएंगी। वहीं, गोंजालेस के लिए काम करने वाली रेजिना सैंटोस–एविलेस ने पिछले साल खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। गोंजालेस ने उसके साथ अफेयर होने या उसकी मौत से जुड़े होने से इनकार किया, लेकिन बाद में अफेयर की बात स्वीकार कर ली। उनके और से एक अन्य कर्मचारी को अपने अफेयर के बारे में भेजे गए मैसेज सामने आए, जिससे उस पर दबाव और बढ़ गया। एक अन्य कर्मचारी ने गोंजालेस पर, जो विवाहित हैं और उनके छह बच्चे हैं, कथित तौर पर नग्न तस्वीरें मांगने और संबंध बनाने का आरोप लगाया। स्वालवेल के गवर्नर पद की दौड़ से हटने से उनकी पार्टी में उम्मीदें जगीं, जिसे कैलिफोर्निया के प्राइमरी चुनावों की संरचना के कारण गवर्नर चुनाव से बाहर होने की आशंका का सामना करना पड़ रहा था। कैलिफोर्निया में, प्राथमिक चुनाव गैर–पक्षपातपूर्ण होते हैं। शीर्ष दो उम्मीदवार पार्टी संबद्धता की परवाह किए बिना चुनाव लड़ते हैं। प्राथमिक चुनाव में कम से कम दस डेमोक्रेट उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। यह आशंका थी कि यदि पार्टी के वोट उनके बीच विभाजित हो जाते हैं, तो दो रिपब्लिकन शीर्ष दो उम्मीदवारों के रूप में उभर सकते हैं और नवंबर में चुनाव लड़ सकते हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो जाएगा कि रिपब्लिकन उनमें से किसी एक के साथ भी जीत हासिल कर लेंगे। स्वॉलवेल उन चार डेमोक्रेट उम्मीदवारों में से एक थे जो चुनावों में शीर्ष पर थे, जिनमें से किसी को भी 16 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिले थे। उनके दौड़ से बाहर होने से मतदाताओं के उनमें से किसी एक के पक्ष में एकजुट होने की संभावना बढ़ गई, जिससे यह संभावना बन गई कि प्राथमिक चुनाव में शीर्ष दो उम्मीदवारों में से एक डेमोक्रेट होगा।

ड्रैगन ने अमेरिकी नाकेबंदी को ठेंगा दिखवाया: होर्मुज में पाबंदियों के बावजूद टैंकर सुरक्षित निकला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति की बातचीत नाकाम हो गई है। इसके बाद अमेरिका ने ईरान को घेरने के लिए नाकेबंदी शुरू कर दी है। हालांकि, इस नाकेबंदी का चीन पर कोई असर नहीं दिख रहा है। अमेरिकी पाबंदियों के बावजूद चीन का जहाज श्रिच स्टैरीश स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार कर गया है। खास बात यह है कि अमेरिका ने इस जहाज पर पहले से ही प्रतिबंध लगा रखा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट में एलएसईजी, मरीनट्रैफिक और केप्लर के डेटा के हवाले से यह जानकारी दी गई है। डेटा के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाकेबंदी के बाद यह पहला जहाज है जो इस रास्ते से गुजरकर खाड़ी से बाहर निकला है। इस जहाज की मालिक शंघाई शुआनरुन शिपिंग कंपनी लिमिटेड है। ईरान के साथ व्यापार करने की वजह से अमेरिका ने इस कंपनी पर प्रतिबंध लगा रखा है। श्रिच स्टैरीश एक मध्यम आकार का टैंकर है। यह अपने साथ करीब 2 लाख 50 हजार बैरल मेथेनॉल लेकर जा रहा है। इस जहाज ने यूएई के हामरियाह पोर्ट से अपना सामन लादा था। फिलहाल अमेरिका या जहाज कंपनी ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। चीन का कड़ा रुख चीन ने इस मामले में अमेरिका को सख्त चेतावनी दी है। चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन ने कहा कि उनके जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आते–जाते रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि ईरान के साथ चीन के ऊर्जा और व्यापार समझौते हैं। चीन इन समझौतों को निभाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि दूसरे देश उनके निजी मामलों में दखल नहीं देंगे। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस समुद्री रास्ते पर सुरक्षा और स्थिरता अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में है। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, चीन ने ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर भी अपनी राय दी है। चीनी प्रवक्ता ने कहा कि टैरिफ युद्ध से किसी की जीत नहीं होती। यह तनाव ऐसे समय में बढ़ा है जब ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात होने की उम्मीद है। अमेरिका की कार्रवाई और ईरान की धमकी ब्रिटेन की संस्था न्झ्डज्ञ ने बताया कि अमेरिकी नौसेना ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी शुरू कर दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान जाने वाले या वहां से आने वाले हर जहाज को रोका जाएगा। हालांकि, दूसरे देशों के बंदरगाहों पर जाने वाले जहाजों को रास्ता दिया जाएगा। इसके जवाब में ईरान ने भी धमकी दी है कि वह फारस और ओमान की खाड़ी के बंदरगाहों को निशाना बनाएगा। बता दे कि इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज की पूरी तरह नाकेबंदी करने की घोषणा की थी।

पल्ला झाड़ रहा US: PAK से लौटे वेंस बोले- ईरान के पाले में गेंद, तेहरान पर लगाए आर्थिक आतंकवाद जैसे गंभीर आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कुछ दिन पहले इस्लामाबाद में हुए शांति वार्ता के असफल रहने के असली वजहों पर जोर देते हुए कई

अहम और बड़े खुलासे किए। वेंस ने कहा कि बातचीत पूरी तरह विफल नहीं हुई, बल्कि इसमें कुछ प्रगति जरूर हुई है। दूसरी ओर वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि शांति वार्ता को लेकर अमेरिका का रुख पूरी तरह से साफ है और अब बारी ईरान को अपना फैसला लेने की है। वेंस ने इस बात को ऐसे कहा कि अमेरिका ने बातचीत को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और अब गेंद ईरान के पाले में है। वेंस ने कहा कि ईरान ने बातचीत में अमेरिका की दिशा में कुछ कदम बढ़ाए हैं, लेकिन अभी वह पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब आगे की जिम्मेदारी ईरान पर है कि वह समझौते को आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी प्रगति की है, लेकिन अभी समझौता पूरा नहीं हुआ है। ईरान पर लगाया आर्थिक आतंकवाद फैलाने का आरोप

दूसरी ओर वेंस ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में यह भी कहा कि वह पूरी तरह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस बात से सहमत हैं कि ईरान के पास परमाणु बम नहीं होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर ईरान दुनिया भर में आर्थिक आतंकवाद फैलाने जैसी गतिविधियों में शामिल है, तो अगर उसके पास परमाणु हथियार आ गया तो यह और भी खतरनाक स्थिति होगी। वेंस ने कहा कि इस पूरी बातचीत का सकारात्मक पहलू यह है कि पहली बार अमेरिका और ईरान की सरकारों के बीच इतने उच्च स्तर पर बातचीत हुई। उनके अनुसार, यह अपने आप में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम है, क्योंकि इससे पहले इस तरह की सीधी और बड़े स्तर की बातचीत शायद ही कभी हुई हो। वेंस ने अपने बयान में यह भी साफ कहा कि अमेरिका की रेड लाइन यानी मुख्य शर्त यही है कि ईरान किसी भी हालत में परमाणु हथियार न बनाए। उन्होंने आगे कहा कि अगर ईरान अमेरिका की इस शर्त को मान ले और परमाणु हथियार न बनाने की पक्की गारंटी दे, तभी दोनों देशों के बीच एक अच्छा समझौता हो सकता है। लेकिन अगर ईरान ऐसा नहीं करता है, तो बातचीत आगे नहीं बढ़ पाएगी। समझिए बातचीत क्यों रुकी? रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगभग 21 घंटे चली इस बातचीत में मुख्य विवाद ईरान के परमाणु ईंधन संवर्धन को लेकर था। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु क्षमता सीमित करे, लेकिन ईरान इस पर पूरी तरह तैयार नहीं हुआ। ऐसे में वेंस ने यह भी कहा कि इस्लामाबाद में बातचीत के लिए जो टीम भेजी थी। उसके पास निर्णय लेने की क्षमता नहीं थी। वेंस ने कहा कि ईरानी टीम को कई फैसलों के लिए तेहरान से मंजूरी लेनी पड़ती है, इसलिए तुरंत समझौता नहीं हो पाया और ये वार्ता के असफल रहने का सबसे बड़ा कारण बना। परमाणु कार्यक्रम को लेकर वेंस ने भी साफ किया रुख वेंस ने साफ कहा कि वह पूरी तरह डोनाल्ड ट्रंप की इस बात से सहमत हैं कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं रखने दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर ईरान अमेरिका की रेड लाइन मान लेता है, तो यह दोनों देशों के लिए अच्छा समझौता हो सकता है। वेंस के अनुसार, अब अगला कदम ईरान को उठाना है क्योंकि अमेरिका ने बातचीत में कई प्रस्ताव पहले ही रख दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा ऊर्जा कीमतें लोगों के लिए मुश्किल पैदा कर रही हैं, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहेगी और अमेरिका इस पर काम कर रहा है।

चीन की सलाह से थमेगा पश्चिम एशिया संघर्ष?:पाक ने बीजिंग घुमाया फोन, रक्षा मंत्री बोले- जल्द होगी बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका–ईरान के बीच पिछली

शांति वार्ता बेनतीजा रहने के बाद से ही अगली बैठक के लिए कोशिशें तेज कर दी गई हैं। हालांकि, दोनों पक्षों की ओर से ही शांति वार्ता को लेकर तैयार होने के कोई ठोस संकेत नहीं मिले हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान ने चीन की सलाह लेकर पश्चिम एशिया संघर्ष को रोकने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और चीनी समकक्ष वांग यी के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण टेलीफोनिक वार्ता हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में अमेरिका–ईरान संघर्ष को फिर से भड़कने से रोकने और संघर्ष विराम की मुश्किल से हासिल की गई स्थिति को बनाए रखने की कोशिशों पर जोर दिया। चीन के विदेश मंत्री से बातचीत के बाद क्या बोला पाकिस्तान?

बातचीत में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उप–प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल रहे डार ने क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए संवाद और कूटनीति को बढ़ावा देने की पाकिस्तान की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उम्मीद जताई है कि ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता का अगला दौर शीघ्र ही होने की संभावना है।

व्हाइट हाउस के बाहर ट्रंप ने डिलीवरी एजेंट को दिए 100 डॉलर टिप, नो टैक्स ऑन टिप्स नीति का किया जिक्र

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ा एक दिलचस्प और हल्का–फुल्का वाकया सोमवार को सामने आया, जब उन्होंने व्हाइट हाउस के बाहर डोरडैश की एक डिलीवरी लेने के दौरान डिलीवरी एजेंट को 100 डॉलर की टिप

दी। व्हाइट हाउस अच्छे टिपर हैं डिलीवरी एजेंट शेरॉन सिमंस पहली बार व्हाइट हाउस आई थीं। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या व्हाइट हाउस अच्छे टिपर हैं। सिमंस जवाब दे पातीं, उससे पहले ही ट्रंप ने अपनी जेब से 100 डॉलर का नोट निकालकर उन्हें टिप दे दी। इससे सिमंस काफी खुश नजर आईं और उन्होंने कहा, हां, बहुत अच्छे। धन्यवाद! डोमोक्रेट्स पर साधा निशाना इस दौरान सिमंस ने ट्रंप की नो टैक्स ऑन टिप्स नीति का जिक्र करते हुए बताया कि इससे उन्हें फायदा हुआ है। बातचीत के बीच ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए उनकी नीतियों की आलोचना की और कहा कि वे अपनी नीतियों के दम पर चुनाव नहीं जीत सकते। इसी दौरान ट्रंप ने सिमंस से महिलाओं के खेलों में पुरुषों की भागीदारी को लेकर सवाल भी पूछा। सिमंस ने इस पर कोई स्पष्ट राय देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह यहां सिर्फ नो टैक्स ऑन टिप्स के बारे में बात करने आई हैं।

पाक मार्क कार्नी की विशेष चुनावों में बड़ी जीत, लिबरल पार्टी को मिला बहुमत, 2029 तक सत्ता का रास्ता साफ

एजेंसी/ कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने विशेष चुनावों में अहम जीत दर्ज करते हुए संसद में पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया। इस जीत के साथ अब सरकार को कानून पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के समर्थन की जरूरत नहीं होगी। संसद की 343 सीटों में से तीन खाली सीटों पर हुए चुनाव में लिबरल उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन किया। टोरंटो के यूनिवर्सिटी–रोसडेल सीट से डेनिएल मार्टिन और स्कारबोरो साउथवेस्ट से डॉली बेगम ने जीत हासिल की। क्यूबेक की एक सीट का परिणाम देर रात तक आना बाकी था, लेकिन वहां भी लिबरल पार्टी को बढ़त मिलने की संभावना जताई गई। लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक रह सकता है इस जीत के बाद लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक जारी रह सकता है, जिससे सरकार को स्थिरता और अपनी नीतियों को लागू करने के लिए मजबूत आधार मिलेगा। कार्नी ने ट्रूडो की जगह ली कार्नी, जिन्होंने 2025 में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह ली थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।